तापमान
अधिकतम 31.4 डिग्री
न्यूनतम 17.6 डिग्री

हरिभूमि
# हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 12 अक्टूबर, 2025

11 मंडी का दौरा कर एसडीएम ने लिया खरीद का जायजा

12 डांस मुकाबले का खिताब मीना मलिक व मायरा ने जीता

## खबर संक्षेप

### आईजी की मौत दुखद व समाज के माथे पर कलंक

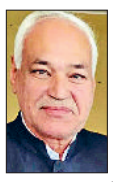

**हिसार।** वरिष्ठ इनेलो नेता दलबीर किरमारा ने आईपीएस अधिकारी वाई. पूर्ण कुमार सुसाइड मामले में निष्पक्ष जांच करके इसके लिए जिम्मेवार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर कलंक है क्योंकि एक आईपीएस या आईएएस स्तर के अधिकारी को ही यदि जातिगत प्रताड़ना झेलनी पड़ती है तो फिर आम नागरिक तो बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। दलबीर किरमारा ने आईपीएस अधिकारी वाई.पूर्ण कुमार की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

### ध्यान से शांति की खोज पर चिंतन आज

**हिसार।** ओशो ध्यान उपवन में 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाले ध्यान सत्र की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ओशो की देशनाओं से रूबरू करवाने वाले ओशो ध्यान उपवन में ध्यान से शांति की खोज के संदर्भ में चिंतन-मनन करते हुए ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलने वाले इस ध्यान सत्र में ध्यान और शांति के विविध पहलुओं को समझाया जाएगा। इसके साथ ही ध्यान विधियों का अभ्यास भी करवाया जाएगा।

### सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 15 को

**हिसार।** सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन, विशेषकर विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला पुलिस द्वारा इंटर स्कूल रोड सेफ्टी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 15 अक्टूबर को जिला के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी स्कूलों में एक साथ आयोजित की जाएगी। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति शिक्षित और संवेदनशील बनाने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल बच्चों को स्वयं ट्रैफिक नियमों की जानकारी देना है, बल्कि उन्हें समाज में सड़क सुरक्षा के 'युवा एम्बेसडर' के रूप में तैयार करना भी है।

### बुधला संत मंदिर में श्री बालाजी का चौला चढ़ाया

**हिसार।** श्री बालाजी परिवार ऑटो मार्केट एवं सहयोगी संस्था श्री राम दूतम सेवा समिति द्वारा, बुधला संत मंदिर में पूजा अर्चना कर के विधिवत रूप से श्री बालाजी महाराज का चौला चढ़ाया। संस्था के प्रधान कुलप्रकाश बंटी गोयल ने बताया कि 12 अक्टूबर को ऑटो मार्केट में भव्य जागरण होगा इस कार्यक्रम के निमित्त श्री बालाजी महाराज को चोला चढ़ाया गया है।

### एआई आधारित व्हाट्सएप चैटबॉट सतर्क लांच किया

**हिसार।** हरियाणा राज्य सतर्कता एवं निरोधक ब्यूरो ने जनता को भ्रष्टाचार निवारण संबंधी आवश्यक जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने के लिए एआई आधारित व्हाट्सएप चैटबॉट सतर्क लॉन्च किया है। इस सेवा का उद्देश्य नागरिकों को जागरूक करना और शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को सुरक्षित एवं सरल बनाना है। ब्यूरो ने अपने ट्विटर हैंडल और आधिकारिक वेबसाइट पर इस चैटबॉट का क्यूआर कोड जारी किया है।

## नशे की ओवरडोज से एक और युवक की मौत

# हिसार में थम नहीं रहा नशे से युवाओं की मौत का सिलसिला

*पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की*

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिले में नशे से युवाओं की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर के साथ लगती अंबेडकर बस्ती में नशे की ओवरडोज से एक युवक की मौत का समाचार है। मृतक की पहचान लगभग 28 वर्षीय मोहित के रूप में हुई है जो महाबीर कॉलोनी का रहने वाला है। उसके पिता विजय सैनी ने बताया कि मोहित अपनी पत्नी को छोड़ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या गया था। वह कब आया परिवार को जानकारी नहीं है। शनिवार सुबह युवक का शव अंबेडकर बस्ती स्थित झाड़ियों में मिला। शव मिलने की सूचना पहुंचते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि युवक के पास से नशे के इंजेक्शन मिले हैं। संभावना जताई जा रही है कि, युवक की नशे की ओवरडोज से मौत हुई। युवक की पेंट के बटन भी

**शव के पास से नशे के इंजेक्शन मिले**

**ओवरडोज से मौत की आशंका**

### नशा बिक्री के केंद्र

नागरिक अस्पताल के बैक साइड की अंबेडकर बस्ती और गांव पीरांवाली नशीले पदार्थों की बिक्री के अड्डे हैं। साथ ही मिलगेट एरिया की विश्वकर्मा कॉलोनी में नशा बिकता है। अंबेडकर बस्ती और विश्वकर्मा कॉलोनी में तो कुछ महिलाएं भी नशीले पदार्थों की तस्करी करती हैं। कुछ महिलाओं पर तो केस भी दर्ज हैं। अंबेडकर बस्ती में समय-समय पर पुलिस तलाशी अभियान चलाती रहती है। मगर नशे की बिक्री पर रोक नहीं लग रही है।

### दो नशा तस्कर काबू 18 ग्राम हेरोइन बरामद

**हिसार।** सीआईए व स्पेशल स्टाफ टीम ने दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 18 ग्राम हेरोइन बरामद की है। सीआईए टीम के एसआई विजय कुमार के नेतृत्व में पीरावाली बस स्टैंड के पास कार्रवाई करते हुए पीरावाली निवासी कुलविंद्र उर्फ शेरु को काबू किया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 9.30 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। दूसरे मामले में स्पेशल स्टाफ की टीम ने एएसआई विक्रांत के नेतृत्व में गांव पीरावाली क्षेत्र में छापेमारी कर इसी गांव के सतनाम उर्फ सतु को काबू किया।

### पहले नशे से यह गवां चुके जान

⏭17 सितंबर को सेक्टर 16-17 में विश्वासपुरम के पास रजवाहे के सामने झाड़ियों में एक युवक का शव मिला। बाद में उसकी पहचान न्यू मॉडल टाउन एक्सटैंशन के 30 वर्षीय शुभम के तौर पर हुई। वह नशा करने का आदी था और उसके हाथ पर टीका लगाने के निशान मिले थे।

⏭1 सितंबर को एंबुलैंस स्टाफ ने रायपुर रोड रेलवे फाटक से दिल्ली हाइवे के निकट एक अज्ञात युवक का शव लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। मृतक की पहचान गांव मसूदपुर के अशवीर के रूप में हुई। बताया गया है कि उसकी मौत चिट्टे का सेवन करने के कारण हुई।

⏭13 अगस्त को आदमपुर क्षेत्र के जवाहर नगर के रहने वाले युवक अजय भारत कॉटन मिल के पास में बेहोशी की हालात में मिला था, जिसकी बाद में मौत हो गई थी। मृतक के भाई सन्नी के अनुसार अजय नशे का आदी थी और उसकी नशे से मौत हो गई।

⏭सेक्टर 16-17 के रेलवे ओवरब्रिज के पास रेलवे ट्रैक के साथ में 24 जून को बड़वाली ढाणी के 30 वर्षीय दिनेश कुमार का शव पड़ा मिला। उसकी मौत नशे की ओवरडोज के कारण हुई है।

⏭शहर के कुम्हारान मोहल्ले के सतबीर का शव 23 जून को पुरानी सब्जी मंडी के पास खंडहर दुकान में मिला था। उसके दाएं हाथ में सीरिंज लगी हुई थी। वह सब्जी मंडी में सब्जी का काम करता था। नशे की ओवरडोज से उसकी मौत हुई थी।

⏭रायपुर रोड पर रेलवे फाटक के पास 4 जून को राजली गांव के नवीन कुमार का शव पड़ा मिला था। नशे की ओवरडोज से उसकी मौत हुई थी। शव के पास 2 सीरिंज पड़ी मिली थी।

⏭पुलिस ने 2 जून को सुबह तोशाम रोड पर आधार अस्पताल के पास से एक कार के अंदर से सैक्टर-15 के सिद्धार्थ का शव कब्जे में लिया था। वह 1 जून की दोपहर को रोहतक जाने की बात कहकर कार में निकला था। अगली सुबह पता चलने पर परिजन आधार अस्पताल के पास पहुंचे थे। सिद्धार्थ की मौत नशे की हालत में कार के शीशे बंद करने के कारण हुई थी। वह पिता का इकलौता बेटा था।

⏭27 मई को हांसी शहर में अलग-अलग जगह दो युवकों के शव पड़े मिले। ढाणी राजू रोड पर कब्रिस्तान में करीब 25-26 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। युवक के दाहिने हाथ में एक सीरिंज भी लगी हुई मिली है। मृतक की पहचान गांव रिछपुरा के शुभम के रूप में हुई थी। युवक की हालात देखकर ऐसा लग रहा है कि उनकी मौत नशे की ओवरडोज लेने के कारण हुई है। उधर, अनाज मंडी के पास दुकान के खाली प्लॉट में एक युवक का शव मिला। मृतक रोहित शहर के गंजा बाग एरिया का रहने वाला था। रोहित की मौत का कारण ज्यादा नशा करना बताया गया थी।

⏭आदमपुर थाना पुलिस ने 4 मई को सीसवाल गांव के पवन कुमार का शव स्कूल के कमरे से कब्जे में लिया था। वह सैलून संचालक था और नशे की ओवरडोज के कारण उसकी मौत हुई थी।

हिसार। हेंडबॉल प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी। *फोटो: हरिभूमि*

## राज्य स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 12 से

# लाडवा खेल नर्सरी की 11 खिलाड़ियों का चयन

■ अर्जुन स्टेडियम, जींद में आयोजित होगी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

खेल विभाग द्वारा संचालित खेल नर्सरी ग्राम पंचायत लाडवा (बालिका वर्ग) की 11 हेंडबॉल खिलाड़ियों का चयन 58वीं राज्य स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता के लिए किया गया है। ये खेलकूद प्रतियोगिताए 12 से 14 अक्तूबर तक अर्जुन स्टेडियम, जींद में आयोजित की जाएगी। इन खिलाड़ियों का कैंप राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लाडवा में आयोजित किया गया था।

खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर जिला हिसार का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त किया है। चयनित खिलाड़ियों में अंडर-19 वर्ग में रितिका, तमन्ना, स्नेहा, भतेरी, स्नेहा पूनिया, अंडर-17 वर्ग में रेनू व ज्योति, अंडर-14 वर्ग में वंशिका, प्रिया, खुशी, अंशू शामिल है। खेल नर्सरियो में प्रशिक्षण कोच अशोक पूनिया एवं कोच महावीर पूनिया द्वारा दिया जा रहा है। टीम में लाडवा, लितानी, धमाना, सातरोड़ खुर्द, सातरोड़ कलां, बिठमड़ा तथा एलपीएस धांसू की खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर जिला टीम को मजबूत बनाया है। एईओ कुलदीप मलिक, डीपीई कुलदीप नैन, एईईओ राजबीर सिंह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा की प्राचार्या फूलवती लांबा, तथा डीपीई खुशबू ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

### गर्व का विषय

लाडवा के सरपंच रामफल पूनिया ने कहा कि गांव में दो खेल नर्सरियां संचालित हैं, जिनमें एक लड़कों के लिए और एक लड़कियों के लिए हैं। इनमें प्रशिक्षक अशोक पूनिया और महावीर पूनिया खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह गांव और जिले के लिए गर्व का विषय है कि यहां की बेटियां अब राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने जा रही हैं।

# एमपीएचडब्ल्यू कर्मियों का प्रदर्शन

■ एसएमओ प्रभारी को सौपा ज्ञापन, मिला आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

एमपीएचडब्ल्यू मेल और फीमेल कर्मचारियों ने अपनी समस्या को लेकर हड़ताल की और सीएचसी कम उपमण्डल नागरिक अस्पताल के प्रांगण में प्रदर्शन किया तथा एसएमओ प्रभारी जावेद को ज्ञापन सौंपा। एसएमओ प्रभारी जावेद ने इन कर्मचारियों की मांग को पूरा करवाए जाने का आश्वासन दिया।

प्रदर्शन में शामिल विनय सेतिया, कमलेश, अनीता, आदि ने बताया कि 1 सितंबर को सीएचसी कम उपमण्डल नागरिक अस्पताल के प्रांगण में जल भराव के चलते उपस्वास्थ्य केदों व सुपरवाइजर का सामान लक्ष्मी विहार में स्थित कम्युनिटी सेंटर में रखवा दिया गया था। एक महीना वहां पर कार्य करने के बाद कम्युनिटी सेंटर की मैनेजमेंट ने बिजली पानी की सुविधा बंद कर दी। इसके चलते एमपीएचडब्ल्यू मेल और फीमेल कर्मचारियों का कार्य ठप्प होकर रह गया।

बरवाला। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

### पुरानी बिल्डिंग की सफाई नहीं की गई

एसएमओ के आदेशानुसार 7 अक्टूबर को सफाई कर्मचारियों को सीएचसी कम उपमण्डल नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग की सफाई करने के लिए बोला गया था। इसी पुरानी बिल्डिंग में ही एमपीएचडब्ल्यू मेल और फीमेल कर्मचारियों ने अपना कार्य करना था। परंतु इन सफाई कर्मचारियों ने पुरानी बिल्डिंग की सफाई वगैरह नहीं की। इसके चलते इन कर्मचारियों ने हड़ताल करके प्रदर्शन किया।

# परंपरागत लाठी प्रतियोगिता में हिसार प्रथम

■ प्रथम हरियाणा राज्य परंपरागत लाठी प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर के सुंदर नगर में संचालित सूरज स्पोर्ट्स अकेडमी की ओर से प्रथम हरियाणा राज्य परंपरागत लाठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन सूरजसेवा फाउंडेशन व क्रीड़ा भारती यह आयोजन किया गया। इसमें लगभग 230 खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सूरजसेवा फाउंडेशन के निर्देशक हरीश सिराधना ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की भागीदारी और उत्साह देखकर आयोजकों को अत्यंत प्रसन्नता हुई। इसमें हिसार प्रथम, पानीपत द्वितीय व फतेहाबाद तृतीय रहा। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव विजय अग्रवाल ने बताया कि समापन समारोह पर मुख्य अतिथि प्रांत मंत्री क्रीड़ा भारती अजमेर सिंह व बजरंग मॉडल स्कूल टोहाना के निदेशक विनय वर्मा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन हिसार के अध्यक्ष भगत सिंह, ई दिशा हिसार के प्रभारी रमेश नैन और पानीपत कराटे कोच मुकेश सरोहा शामिल हुए।

हिसार। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उपस्थित अतिथि। *फोटो: हरिभूमि*

### सम्मानित किया

मुख्य अतिथियों और विशिष्ट अतिथियों द्वारा पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया और आशीर्वाद प्रदान किया गया। समापन समारोह के अवसर पर हरीश सिराधना ने सभी खिलाड़ियों को फ्रास्ट फूड, नशे और मोबाइल की लत से दूर रहने की शपथ दिलाई, जिससे प्रतियोगिता का संदेश केवल खेल तक सीमित न होकर सामाजिक जागरूकता का माध्यम भी बन गया। इस अवसर पर विकास मणकश, आरुषि सैनी, मनीषा चौधरी, खुशी जांगड़ा, वैष्णवी तिवारी, सावी सैनी, विनय वर्मा, मुस्कान कारखाल, हिमांशु सुथार, स्वीटी गर्ग, मनीषा वर्मा तनु पंवार व दिव्यांशी शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

**अभियान** नगर निगम, पार्षद और वालंटियर्स ने मिलकर किया श्रमदान

# जनसहभागिता की मिसाल पेश की स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया

*अभियान में लगभग 8 ट्रॉली कचरा हटाकर फैलाई जागरूकता*

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नगर निगम द्वारा स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों, नगर निगम अधिकारियों और वालंटियर्स के साथ एक व्यापक स्वच्छता श्रमदान महाअभियान चलाया। इस अभियान की शुरुआत वार्ड 14 साउथ बाइपास से की गई। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई करना, कचरे को हटाना, और स्थानीय नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस महाअभियान में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और वालंटियर्स सक्रिय रूप से शामिल हुए। इनमें पार्षद डॉ. सुमन यादव, पार्षद राजेन्द्र बिडलान, एक्सईएन जयबीर डूडी, जेई संदीप काजल, सीएसआई राजकुमार, और एएसआई कपिल सहित कर्मचारी मौजूद रहे। अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने कहा कि इस दौरान साउथ बाईपास पर सड़क के किनारे पड़ी मिट्टी, अनावश्यक घास और झाड़ियाँ हटाई गईं। साथ ही नहर और सड़क के बीच मौजूद ग रीन बेल्ट क्षेत्र से कचरे का उठान किया गया।

हिसार। श्रमदान करते निगम अधिकारी, पार्षद व क्षेत्रवासी। *फोटो: हरिभूमि*

### ये रहे मौजूद

जनसहभागिता की मिसाल पेश करते हुए अभियान के दौरान लगभग 8 ट्रॉली कचरा हटाया गया, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता में काफी सुधार देखने को मिला। वालंटियर्स और स्थानीय लोगों ने पूरे उत्साह के साथ सफाई में हिस्सा लिया और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हर्ष बामल, जिला महामंत्री वीरेन्द्र मेहता, अमित शर्मा, बसंत, वीरेन, आदित्य ऐलावादी, प्रियांशु, राजा सरोहा, कृष्ण मेहता, अजय धुंधवाल आदि क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

## कृषि महाविद्यालय की ओल्ड आईएटीटीई बिल्डिंग का नवीनीकरण किया

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ओल्ड आईएटीटीई बिल्डिंग का नवीनीकरण करके कृषि महाविद्यालय के विस्तार खंड के रूप में तैयार किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस दो मंजिलें भवन का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने उद्घाटन किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया की इस दो मंजिलें भवन में एमबीए के अलावा पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग के चारा अनुभाग तथा औषधीय सुगंधित एवं क्षमतावान अनुभाग के कार्यालय स्थित हैं। उपरोक्त विभागों के सभी कार्यालयों में निर्धारित मापदंडों के अनुसार सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं जिसमें लेक्चर हॉल में बड़े साइज की एलईडी और वातानुकूलित की सुविधा भी उपलब्ध है।

## स्टेप अप एसआईपी : बच्चे की पूरी पढ़ाई फ्री, फिर भी 50 लाख बचेंगे

भविष्य | बिजनेस डेस्क

अगर आपको भी बच्चे की पढ़ाई और अन्य खर्च से समय रहते मुक्ति पानी है तो आपके लिए स्टेप अप एसआईपी एक अहम निवेश का विकल्प साबित हो सकती है। इसके जरिये निवेश करने से आपको बड़ी राहत मिलेगी। स्कूल की बढ़ती फीस और हायर एजुकेशन की चिंता अक्सर अभिभावकों को सताती हैं। निवेश के जानकारों का कहना है कि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस टेंशन को 'बाय-बाय' कहा जा सकता है। इसके लिए आपको एसआईपी के जरिये निवेश करना होगा और इसे बढ़ाते जाना होगा। यह योजना आपके बच्चे की शिक्षा का खर्च उठा सकती है। साथ ही, बच्चे के 22 साल का होने तक आपके पास 50 लाख रुपये से ज्यादा बच सकते हैं। इसके लिए आपको बच्चे के जन्म से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी। इसे 10 साल तक हर साल 10% बढ़ाना होगा। 10 साल बाद कॉन्ट्रिब्यूशन बंद कर देना है। फिर बच्चे की 10 से 22 साल की उम्र तक हर महीने 25,000 रुपये निकालने हैं। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के संभव है।

### यह दिया सुझाव

99% माता-पिता बिना किसी स्कीम के स्कूल फीस पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। 'क्या हो अगर 10 साल की एसआईपी आपके बच्चे की शिक्षा को लगभग मुफ्त में फंड कर सके... और फिर भी उनके सपनों के लिए लाखों छोड़ जाए?' उन्होंने एक स्टेप-अप एसआईपी स्ट्रैटेजी का सुझाव दिया है। यह स्ट्रैटेजी महंगे एजुकेशन लोन की जगह ले सकती है। यह लंबी अवधि की वित्तीय योजना है।

### कैसे काम करती है स्कीम?

यह योजना इस तरह काम करती है। जब आपका बच्चा पैदा हो तब हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करें। अगले 10 सालों तक हर साल एसआईपी की राशि को 10% बढ़ाएं। 10 साल पूरे होने के बाद एसआईपी में पैसा डालना बंद कर दें। जब बच्चा 10 साल का हो जाए तब से 22 साल का होने तक हर महीने 25,000 रुपये निकालें। यह पैसा बच्चे की फीस के लिए होगा। इस योजना में 12% सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मानी गई है।

### क्या है पूरा गणित?

निवेश के गणित के अनुसार, आप 10 साल में कुल 19.12 लाख रुपये का निवेश करेंगे। तब तक यह राशि बढ़कर 32.69 लाख रुपये हो जाएगी। अगले 12 सालों में आप एजुकेशन के लिए कुल 36 लाख रुपये निकालेंगे। इसके बावजूद आपके खाते में 51 लाख रुपये बचे रहेंगे। उन्होंने कहा, 'पैसे निकालते समय भी कंपाउंडिंग काम करती है।' इसका मतलब है कि बचा हुआ पैसा बढ़ता रहता है। इससे भुगतान के दौरान भी धन बढ़ता रहेगा।

### दंग कर देने वाले रिजल्ट

इस योजना की तुलना एजुकेशन लोन से करें। 36 लाख रुपये के एजुकेशन लोन पर 11% ब्याज दर से 10 साल के लिए ईएमआई लगभग 50,000 रुपये प्रति माह होगी। यह एसआईपी से निकाली गई राशि से दोगुना है। इसमें ब्याज का भारी बोझ भी होता है। कौशिक ने कहा कि यह रणनीति आपकी आय वृद्धि से मेल खाती है। उन्होंने बताया, '10 हजार रुपये महीने से शुरू करें और 10वें साल तक आप सालाना 2.8 लाख रुपये का निवेश कर रहे होंगे जो प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अनुरूप है।' उनके कुछ सुझाव भी हैं। कम लागत वाले इंडेक्स फंड का उपयोग करें। आपात स्थितियों के लिए हमेशा कुछ लिक्विडिटी बनाए रखें। अपनी प्रगति की सालाना समीक्षा करते रहें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, '10 साल के लिए एक अनुशासित, स्टेप-अप एसआईपी एक दशक के ओवरटाइम से कहीं ज्यादा कर सकती है।' यह तनाव-मुक्त और स्मार्ट कंपाउंडिंग का तरीका है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सीए ने निवेशकों को बताया क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले नफे-नुकसान का गणित
- क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं तो इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में भी जान लें

### 100 रुपये प्रॉफिट कमाने के बाद 100 रुपये गंवाने पर भी चुकाने होंगे 30 रुपये

# क्रिप्टो नहीं, टैक्स का मायाजाल पैसे गंवाए तो भी देना होगा कर

अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कीम बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता है इसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रेजरी में लगाया जाता है।

देश में कई सालों से लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं। कई तो इससे मोटा मुनाफा भी कमा चुके हैं और कई अपनी जमापूंजी गंवा चुके हैं। लेकिन अब सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नियम कड़े कर दिए हैं। क्रिप्टोकरेंसी में होने वाली कमाई पर 30 फीसदी का टैक्स लगता है। खास बात यह है कि आपने क्रिप्टोकरेंसी में 100 रुपये का प्रोफिट कमाया और बाद में उसे इसी एसेट्स में गंवा दिया तो भी आपको 30 रुपये टैक्स देना होगा। पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वहीं पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। तब से क्रिप्टो में और तेजी देखने को मिली है। इसे देखते हुए अब काफी भारतीय बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, डॉगकॉइन आदि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने लगे हैं। चूंकि क्रिप्टोकरेंसी पर किसी भी सरकार का केंद्रीय बैंक का कंट्रोल नहीं है, ऐसे में इसमें होने वाले प्रॉफिट पर भारत में टैक्स से जुड़े नियम काफी सख्त हैं। दरअसल, क्रिप्टोकरेंसी में टैक्स का नियम कुछ ऐसा है कि इसमें पैसे कमाने पर ही नहीं बल्कि पैसे गंवाने पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ सकता है। फिर चाहे आपका पूरा पोर्टफोलियो घाटे में ही क्यों ना चल रहा हो। भारत के सख्त क्रिप्टो टैक्स नियमों के तहत, निवेशकों को हर रुपये के मुनाफे पर फ्लैट 30% टैक्स देना होता है, भले ही कुल मिलाकर नुकसान हुआ हो। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे कठोर नियमों में से एक है, जिससे भारतीय क्रिप्टो निवेशकों को राहत मिलने की गुंजाइश बहुत कम है। इस टैक्स सिस्टम को लेकर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी राय रखी और क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को अगाह किया है कि इसमें सोच समझकर ही निवेश करें, वरना यह घाटे का सौदा हो सकता है।

### क्रिप्टो टैक्सेशन की बताई सच्चाई

एक सीए ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो टैक्सेशन की सच्चाई बताई है। उन्होंने पोस्ट के जरिए मैसेज दिया है कि भले ही आपने क्रिप्टो में 100 रुपये गंवाए हों, आपको 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। उन्होंने समझाया कि मान लीजिए कि आपने एक ही वित्तीय वर्ष में बिटकॉइन पर 100 रुपये का मुनाफा कमाया, लेकिन इथेरियम पर 200 रुपये का नुकसान उठाया। किसी भी दूसरे निवेश में आपको कुल 100 रुपये का नुकसान होता। लेकिन क्रिप्टो में ऐसा नहीं है। बिटकॉइन से हुई 100 रुपये की कमाई पर आपको 30% यानी 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इथेरियम या किसी दूसरी क्रिप्टो से आपको कितना नुकसान हुआ है। ऐसे में आपको कुल 130 रुपये की चपत लगेगी।

### क्या है क्रिप्टो से जुड़े नियम

- आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।
- नुकसान की भरपाई नहीं (आप एक क्रिप्टो नुकसान को दूसरे मुनाफे से नहीं काट सकते)।
- नुकसान आगे नहीं ले जा सकते (इसे समायोजित नहीं कर सकते)।
- अधिग्रहण की लागत को छोड़कर कोई कटौती नहीं।
- ट्रेडिंग फीस जैसे चार्ज भी नहीं घटाए जाते
- इथेरियम पर 200 रुपये के नुकसान को अनदेखा कर दिया जाएगा और बिटकॉइन पर हुए 100 रुपये के मुनाफे पर 30% यानी 30 रुपये टैक्स देना होगा।
- कुल मिलाकर 130 रुपये का नुकसान होगा। यहां तक कि ट्रेडिंग फीस, गैस चार्ज, माइनिंग की लागत, या एक्सचेंज कमीशन जैसी चीजें आपके टैक्सेबल मुनाफे से नहीं घटाई जा सकतीं।

### क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तरीके से काम करती है। यह पारंपरिक मुद्राओं की तरह नहीं है, जो सरकारों द्वारा नियंत्रित और जारी की जाती हैं।

### विशेषताएं

1. विकेंद्रीकृत : क्रिप्टोकरेंसी किसी एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नहीं होती है।
2. डिजिटल : यह पूरी तरह से डिजिटल रूप में मौजूद होती है।
3. क्रिप्टोग्राफी : सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
4. ब्लॉकचेन : अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होती हैं।
5. सीमित आपूर्ति : कई क्रिप्टोकरेंसी की आपूर्ति सीमित होती है।

### प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी

1. बिटकॉइन : पहली और सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकरेंसी।
2. एथेरियम : स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए जानी जाती है।
3. रिपल : अंतर्राष्ट्रीय भुगतान के लिए उपयोग।
4. लाइटकॉइन : बिटकॉइन का एक वैकल्पिक।
5. कार्डानो : शोध-आधारित ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म।

### उपयोग

1. डिजिटल भुगतानः ऑनलाइन लेनदेन के लिए।
2. निवेशः कई लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं।
3. विकेंद्रीकृत अनुप्रयोग : एथेरियम जैसे प्लेटफॉर्म पर।
4. सीमापार लेनदेनः पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज और सस्ता।

### जोखिम

1. अस्थिरताः कीमतें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।
2. सुरक्षा जोखिमः हैकिंग और चोरी का खतरा।
3. नियामक अनिश्चितताः विभिन्न देशों में नियम अलग-अलग हैं।
4. घोटालेः फ्रॉड और स्कैम का खतरा।
5. तकनीकी जोखिमः तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।

# दिवाली बोनस का करें सही इस्तेमाल कर सकते हैं अपने लिए बड़ी बचत

म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट प्लान या कर्ज चुकाने में लगाएं, जरूरतों के लिए 30%, इच्छाओं के लिए- 30%, वेल्थ बनाने के लिए-40% प्रयोग करें

तोहफा | बिजनेस डेस्क

दिवाली को महज कुछ दिन ही शेष बचे हैं। ऐसे में हर साल दिवाली पर ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को बोनस देती हैं। यह बोनस हमारे लिए खुशियों का तोहफा भी होता है, साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का मौका भी। हालांकि अक्सर होता यह है कि जैसे ही बोनस हाथ में आता है, हम शॉपिंग, नई चीजें खरीदने और शौक पूरे करने में पैसा खर्च कर देते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस पैसे का स्मार्ट उपयोग क्या हो सकता है। इसका आप कहां सही इस्तेमाल कर सकते हैं। कैसे अपनी वेल्थ बना सकते हैं या कर्ज उतार सकते हैं।

### स्मार्ट तरीके से बांटें : सही बैलेंस बनाएं

बोनस को खर्च करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि इसे दो हिस्सों में बांट लें-एक हिस्सा त्योहार मनाने के लिए और दूसरा भविष्य की जरूरतों के लिए। बाजार के जानकारों के अनुसार बोनस का 50% हिस्सा त्योहार और लाइफस्टाइल पर खर्च करें और बाकी 50% म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट या कर्ज चुकाने जैसे लॉन्ग-टर्म गोल्स के लिए रखें। अगर आपके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां हैं, तो तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। जैसेः-

■ जरूरतों के लिए- 30%■ इच्छाओं के लिए- 30%■ वेल्थ बनाने के लिए- 40%

### जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें।

इसे बांटने का हर किसी का तरीका अलग हो सकता है। 'अपने बोनस को अपनी जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें। अगर आपके ऊपर हाई-इंटरेस्ट कर्ज है, तो 60-70% बोनस उसको चुकाने में लगाएं।'

*"'बोनस को बांटने की प्रक्रिया में परिवार को जरूर शामिल करें, ताकि हर कोई मस्ती और अनुशासन के बीच बैलेंस समझे।' इस तरह समझदारी से खर्च और स्मार्ट निवेश के साथ आपका दिवाली बोनस न सिर्फ त्योहार को खास बनाएगा, बल्कि आपके भविष्य को भी बेहतर बनाने के काम आ सकता है।*

### हाई-इंटरेस्ट कर्ज चुकाएं

अपने बोनस का कुछ हिस्सा क्रेडिट कार्ड के बिल, पर्सनल लोन या किसी भी हाई-इंटरेस्ट कर्ज को चुकाने में लगाएं। इससे भविष्य में आपका पैसा बचेगा। 'सबसे पहले अपने कर्ज की लिस्ट बनाएं, सबसे ज्यादा इंटरेस्ट वाले कर्ज को पहले चुकाएं। यहां तक कि आंशिक पेमेंट भी लोन की अवधि और टोटल इंटरेस्ट को कम कर सकता है।' अगर आपके पास महंगा कर्ज है, तो नए निवेश से पहले इसे चुकाना प्रायोरिटी होनी चाहिए।

### निवेश की स्ट्रैटजी

निवेश के लिए ऑप्शन्स आपकी जरूरतों पर निर्भर करते हैं। '3 साल से कम की अवधि के लिए लिक्विड फंड्स या रिकरिंग डिपॉजिट्स में निवेश करें। मीडियम से लॉन्ग-टर्म के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स चुनें।' अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या गोल्ड ईटीएफ भी जोड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण है कि रिटर्न और लिक्विडिटी में बैलेंस बनाएं, ताकि आपका शॉर्ट-टर्म पैसा रिस्क में न आए। दिवाली बोनस आपके फाइनेंशियल गोल्स को तेजी से पूरा करने का मौका है। 'बोनस या तो एक हफ्ते की शॉपिंग में खत्म हो सकता है या सालों तक आपके लिए काम कर सकता है। इसे फाइनेंशियल फिटनेस का बूस्टर समझें।'

### सेलिब्रेशन के लिए बजट बनाएं

त्योहार की खुशी फाइनेंशियल टेंशन में न बदल जाए इसके लिए सही बजट बनाना जरूरी है। 'पहले अंदाजा लगाएं कि त्योहार में कितना खर्च होगा-गिफ्ट्स, घूमने-फिरने, सजावट, ट्रैवल और धार्मिक रस्मों पर।' इस खर्च को अपने बोनस और रेगुलर इनकम के साथ मिलाकर देखें। इससे आपको एक फिक्स्ड बजट मिलेगा और आप बाकी पैसों को पहले ही निवेश में डालकर अपने गोल्स को प्रायोरिटी दे सकते हैं।

### स्मार्ट तरीके से सेलिब्रेट करें

त्योहारों में ओवरस्पेंडिंग का खतरा हमेशा रहता है। 'बोनस को 'एक्स्ट्रा' पैसा समझकर फूंक न दें।' क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन लेकर शॉपिंग करना तो बिल्कुल अवॉइड करें, क्योंकि इनके इंटरेस्ट रेट्स बहुत ज्यादा होते हैं और ये कर्ज के जाल में फंसा सकते हैं। बिना कर्ज के सेलिब्रेशन के लिए क्रिएटिव तरीके अपनाएं। 'पॉटलक गैदरिंग्स करें, दीया डेकोरेशन बनाएं या अर्ली-बर्ड ट्रैवल डील्स का फायदा उठाएं।'

## 'फंड ऑफ फंड्स' में करें निवेश, दोनों हाथों में रहेंगे लड्डू

बिजनेस डेस्क

सोना और चांदी की कीमत इस समय रॉकेट की रफ्तार से भाग रही है। वहीं, फेस्टिव सीजन के कारण इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है। अगर आप धनतेरस पर सोना और चांदी दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो 'कॉम्बो फंड ऑफ फंड्स' एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं। दरअसल, इस समय म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को दोनों धातुओं में आसानी से निवेश करने का मौका दे रही हैं। इसके लिए वे डुअल-एसेट पैसिव फंड्स (ऐसे फंड जो सोने और चांदी दोनों में निवेश करते हैं) लॉन्च कर रही हैं। पिछले दो साल में सोने की कीमत करीब दोगुनी हो गई है। वहीं, औद्योगिक मांग और सप्लाई में कमी के कारण चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में निवेशक महंगाई से बचने और अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए गोल्ड और सिल्वर फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) की ओर रुख कर रहे हैं।

### अलग-अलग निवेश की जरूरत नहीं

डुअल-एसेट पैसिव फंड्स में निवेश के बाद सोना और चांदी, दोनों में अलग-अलग निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी आप फिजिकल सोना-चांदी खरीदे या अलग-अलग ईटीएफ में निवेश किए बिना दोनों की तेजी का फायदा उठा सकते हैं। इस नई कैटेगरी में चार बड़े फंड्स सामने आए हैं। इनमें कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ और मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ शामिल हैं।

### 1. कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

- यह फंड 20 अक्टूबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। निवेशक सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं।
- इसका मकसद कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करके लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाना है।
- यह एफओएफ एक खास क्वांटिटेटिव मॉडल का इस्तेमाल करता है। यह मॉडल सोने और चांदी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के आधार पर अपने आप तय करता है कि किस धातु में कितना पैसा लगाना है।

### 2. मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

इस फंड में शुरुआत में 50:50 का आवंटन होता है, लेकिन सोने-चांदी के अनुपात (गोल्ड-सिल्वर रेश्यो) व महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती जैसे बड़े आर्थिक संकेतकों के आधार पर यह अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएम (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट- फंड में कुल जमा राशि) 67 करोड़ रुपये था।

### 3. एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड सितंबर 2022 में लॉन्च हुआ था। यह भारत का सबसे पुराना डुअल-मेटल फंड है और हाल के दिनों में धातुओं की तेजी से इसने काफी फायदा उठाया है। इसमें 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह फंड सोने और चांदी में लगभग बराबर हिस्सेदारी रखता है यानी 49.98% सोने में और 49.83% चांदी में। फंड ने पिछले एक साल में 57.9% का रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में सालाना 31.97% का रिटर्न दिया है।

### 4. मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड अक्टूबर 2022 में लॉन्च हुआ था और इसने पिछले दो सालों में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। यह फंड 69.34% आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ में और 30.17% निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ में निवेश करता है। इसका एयूएम 244.32 करोड़ रुपये है, एक्सपेंस रेशियो 0.15% है और कोई एग्जिट लोड नहीं है। फंड ने पिछले एक साल में 59.7% का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले दो सालों में सालाना 18.1% का सीएजीआर व पिछले तीन सालों में सालाना 11.6% का रिटर्न दिया है।

# एफडी साइलेंट वेल्थ ट्रैप, सिर्फ इससे ही नहीं बन पाओगे अमीर दूसरे विकल्पों पर भी दें ध्यान

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश को ही असली निवेश समझते हैं तो आप गलत हो सकते हैं। एक एक्सपर्ट ने एफडी में निवेश को 'साइलेंट वेल्थ ट्रैप' बताया है। यानी एक ऐसा जाल जिसमें आप अमीर बनने के लिए जाते हैं, लेकिन अंत में फंस जाते हैं। क्योंकि सिर्फ एफडी में निवेश करके अमीर नहीं बना जा सकता। एक्सपर्ट ने इसका कारण भी बताया है। जानकारों का कहना है कि बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ एफडी में निवेश करना सही नहीं है। उन्होंने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो एफडी में निवेश को ही असली निवेश समझ लेते हैं। वह बताते हैं कि यह जाल तब बनता है जब लोग अपना ज्यादातर पैसा एफडी में रखते हैं। वे महंगाई के असर और पैसे बढ़ाने के मौकों को नजरअंदाज कर देते हैं। एफडी में आपका पैसा तो सुरक्षित रहता है, लेकिन आपको रिटर्न बेहद कम मिलता है। इसलिए सिर्फ एफडी के भरोसे नहीं रहें। निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशे।

### निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशें, तभी बढ़ा पाएंगे पैसा

#### यह मिलता है ब्याज

आज एफडी की सालाना दरें लगभग 6.3% से 7% हैं, जबकि महंगाई करीब 2.1% है। आपकी असली कमाई लगभग 4.2 से 4.9% प्रति वर्ष है।' अगर आप 10 लाख रुपये एफडी में रखते हैं, तो एक साल बाद उसकी असली खरीदने की ताकत सिर्फ 10.42 लाख रुपये ही रह जाती है। इसका मतलब है कि आपका पैसा असल में बहुत कम बढ़ता है।

#### लोगों को एफडी पर भरोसा क्यों

भारत के लगभग 70% परिवार अभी भी एफडी को ही अपनी बचत का मुख्य जरिया मानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों को इसमें पैसे की पूरी सुरक्षा का भरोसा मिलता है। साथ ही, उन्हें पैसे के लेन-देन की कम जानकारी होती है और वे बाजार के उतार-चढ़ाव से डरते हैं।

#### यह दी चेतावनी

उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा का यह भरोसा तभी तक सही है जब तक महंगाई कम रहती है। उन्होंने लिखा कि अगर महंगाई आपकी एफडी से मिलने वाले रिटर्न से ज्यादा हो जाती है तो आपकी असली दौलत कम होने लगती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्तीय सुरक्षा लापरवाही से नहीं, बल्कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से मिलती है।

#### निवेश का तरीका बताया

एक संतुलित निवेश का तरीका सुझाया। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ शेयर बाजार (जिसने पहले 12 से 15% सीएजीआर का रिटर्न दिया है), डेट फंड (6.5 से 8%) और महंगाई से बचाने वाले निवेश जैसे सोना या आरईआईटीएस को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि अपने निवेश को एक ही जगह न रखकर अलग-अलग जगह बांटें।

#### ये हैं निवेश के विकल्प

1. **शेयर बाजार (इक्विटी)- शेयर :** कंपनियों के हिस्सेदारी वाले शेयर।
   - **म्यूचुअल फंड :** पेशेवर प्रबंधन वाले फंड जो विविध शेयरों में निवेश करते हैं।
   - **ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड):** शेयर बाजार में ट्रेड होने वाले फंड।
2. **फिक्स्ड इनकम निवेश- फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी):** बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा।
   - **बॉन्ड:** कंपनियों या सरकार द्वारा जारी कर्ज साधन।
   - **डेब्ट म्यूचुअल फंड:** बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।

#### ये हैं निवेश के विकल्प

3. **रियल एस्टेट- आवासीय संपत्ति :** घर या फ्लैट।
   - **वाणिज्यिक संपत्ति :** ऑफिस, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स।
   - **आरईआईटी (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट):** रियल एस्टेट में निवेश के लिए ट्रेडेबल यूनिट्स।
4. **सोना और कीमती धातुएं-भौतिक सोना :** सिक्के, बार।
   - **गोल्ड ईटीएफ :** सोने में निवेश के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड।
   - **सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड:** सरकार द्वारा जारी।
5. **म्यूचुअल फंड- इक्विटी फंड:** शेयर बाजार में निवेश।
   - **हाइब्रिड फंड:** इक्विटी और डेट का मिश्रण।
   - **डेब्ट फंड:** फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।
6. पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)- लंबी अवधि की बचत योजना जो कर लाभ देती है।
7. एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)- रिटायरमेंट के लिए पेंशन योजना।
8. यूएलआईपी (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)- निवेश और बीमा का मिश्रण।
9. क्रिप्टोकरेंसी- डिजिटल मुद्राएं जैसे बिटकॉइन, एथेरियम (उच्च जोखिम)।
10. एफडी और आरडी (रिकरिंग डिपॉजिट)- बैंकों में निश्चित आय के विकल्प।

## खबर संक्षेप

हिसार। स्वास्थ्य एवं अध्यात्म प्रयोगशाला में उपस्थित साधकों को संबोधित करते डॉ. गोपाल शास्त्री व उपस्थित साधक।

### बीमार होना कठिन, जबकि स्वस्थ होना आसान

**हिसार।** बदरी नारायण सेवाग्राम, मेरठ से आये डॉ. गोपाल शास्त्री के सानिध्य में अग्रसेन भवन में स्वास्थ्य एवं अध्यात्म प्रयोगशाला शुरु हुई। प्रयोगशाला में आये हुए साधकों को डायबिटीज, बीपी, दमा, अनिद्रा, तनाव, गठिया, मोटापा आदि बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ. गोपाल शास्त्री ने साधकों को कहा कि बीमार होना कठिन है जबकि स्वस्थ होना आसान है।

### संजय बने हॉकी इंडिया ए टीम के कैप्टन

**हिसार।** जिले के डाबड़ा गांव निवासी हॉकी खिलाड़ी संजय कालीरावणा को दूसरी बार हॉकी

इंडिया ए टीम का कैप्टन बनाया गया है। संजय कालीरावणा पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के बाद दूसरे हरियाणवी खिलाड़ी हैं, जिन्हें हॉकी में बतौर कैप्टन देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। इससे पहले संजय तीन महीने पहले हुए यूरोप कप में भी भारतीय हॉकी टीम की कप्तानी कर चुके हैं। अब यह दूसरा मौका है जब संजय चीन के हांग्जो में 12 से 18 अक्टूबर को होने वाले टूर्नामेंट में टीम के लिए कप्तानी करेंगे।

### पराली प्रबंधन सप्लाई चेन स्थापना के चयन का ड्रा कल

**सिरसा।** राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए धान फसल अवशेष आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना हेतु आवेदकों का चयन 13 अक्तूबर को सायं 4 बजे ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। सहायक कृषि अभियंता विजय कुमार ने बताया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 156 आवेदन प्राप्त हुए थे। दस्तावेजों की जांच के बाद 81 आवेदक पात्र पाए गए हैं। मुख्यालय द्वारा जिले को कुल 5 सप्लाई चेन स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है, जिसके लिए यह ड्रा आयोजित किया जा रहा है।

### घर में चोरी करने के आरोपी को दबोचा

**सिरसा।** पुलिस ने घर में चोरी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सिरसा निवासी अनमोल के रूप में हुई है। प्रबंधक थाना सदर सिरसा सुखदेव सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता सोनी कुमारी निवासी इंद्रा विकास कॉलोनी शाहपुर बेगू, सिरसा ने दिनांक बीती 10 जुलाई को थाना सदर सिरसा में शिकायत दी थी कि वह लगभग 15 दिन पहले अपने गांव बिहार गई हुई थी। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके घर का ताला तोड़कर घर में खड़ी ई-रिक्शा की चार बैटरियां और एक गैस सिलेंडर चोरी कर लिया।

### किसानों को नहीं होनी चाहिए किसी भी प्रकार की असुविधा

# अनाज मंडी का दौरा कर एसडीएम ने लिया फसल खरीद का जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

एसडीएम राजेश खोथ ने शनिवार को अनाज मंडी का दौरा कर फसल खरीद तथा किसानों की सुविधाओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस अवसर पर मार्केट कमेटी के सचिव सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। एसडीएम ने अनाज मंडी में पहुंचकर किसानों से भी बातचीत की। किसानों ने कहा कि फिलहाल उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में आने वाले प्रत्येक किसान को आवश्यक सभी सुविधाएं जैसे पेयजल, छाया, बारदाने की उपलब्धता, तोल व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया सुचारू रूप से मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खरीफ फसलों की कटाई का कार्य आरंभ हो चुका है और इसी के साथ धान व बाजरे की आवक भी लगातार बढ़ रही है।

हांसी। अनाज मंडी में आई धान में नमी की जांच करते एसडीएम राजेश खोथ

#### मंडी व्यवस्थाएं जांची

उन्होंने मंडी परिसर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मंडी में पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था बनाए रखी जाए ताकि शाम के समय भी खरीद कार्य सुचारू रूप से चलता रहे, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि फसल उठान कार्य को प्राथमिकता के साथ तेजी से करवाया जाए ताकि मंडी में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो और किसानों को अपनी फसल उतारने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न आए।

#### एसडीएम ने धान नमी यंत्र का किया निरीक्षण

एसडीएम राजेश खोथ ने मौके पर धान की नमी जांचने वाले यंत्र का निरीक्षण किया और संबंधित कर्मचारियों से इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नमी मापक यंत्रों की सटीकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी यंत्रों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी किसान को तोल या गुणवत्ता आकलन में असमानता का सामना न करना पड़े।

# हरियाणा स्टेट पेंशनर्ज समाज करेगा कैबिनेट मंत्री गंगवा के निवास का घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा स्टेट पैंशनर्ज समाज की कार्यकारिणी की बैठक क्रांतिमान पार्क में जिलाध्यक्ष रोहताश छाछिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि आने वाली 29 अक्तूबर को कैबिनेट मन्त्री रणबीर सिंह गंगवा के निवास स्थान का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में हिसार जिले से भारी संख्या में पैंशनर्ज समाज भाग लेगा। प्रदेश कार्यकारिणी के सलाहकार भरत सिंह पूनिया ने बताया कि 65, 70 व 75 की आयु उपरांत पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर 5,10 व 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी करने, चिकित्सा भत्ता पांच हजार रुपये मासिक देने, सभी बीमारियों के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा दी जाए, फैमिली पैंशनर्ज को भी एलटीसी देने, कम्युटेशन की राशि 15 वर्ष की बजाय 11 वर्ष की जाए, क्योंकि ब्याज दर अब 13 प्रतिशत से घटकर 7 प्रतिशत रह गया है एवं पुरानी पैंशन बहाल करने की मांगें रखी जाएंगी।

**चिकित्सा भत्ता बढ़ाकर 5,000 रुपये मासिक देने की मांग**

### हरियाणा पेंशनर्ज समाज की हुई बैठक

हिसार। क्रांतिमान पार्क हिसार में बैठक करते हरियाणा स्टेट पैंशनर्ज समाज के सदस्य।

#### ये रहे मौजूद

*इस अवसर पर मुख्य रूप से संरक्षक राजेन्द्र सिंह नैन, कर्मचारी प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी के महासचिव एमएल सहगल, गुलाब सिंह खेदड़, दलबीर सिंह पंघाल, कृष्ण कुमार दुआ, सतबीर सिंह सिवाच, रामप्रकाश शर्मा, पुरुषोतम, किरण दत्त, रामप्रताप, पूर्ण मल, सुभाष वर्मा, रामप्रताप, इन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।*

# सरस्वती स्कूल के विद्यार्थियों ने किया अग्रोहा धाम के दर्शन

**उकलाना।** सरस्वती हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने एक शैक्षणिक एवं धार्मिक यात्रा के अंतर्गत ऐतिहासिक अग्रोहा धाम के दर्शन किया। इस टूर में कुल 92 विद्यार्थी शामिल हुए, जिन्होंने श्रद्धा भाव से मां लक्ष्मी नारायण मंदिर में दर्शन किए तथा इसके पश्चात गुफा दर्शन कर वहां की पवित्रता और भव्यता का अनुभव प्राप्त किया। दर्शन के उपरांत विद्यार्थियों ने परिसर में स्थित झूलों, झांकियों और अन्य आकर्षणों का आनंद लिया। पूरे भ्रमण के दौरान बच्चों ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि अग्रोहा के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के बारे में भी ज्ञान अर्जित किया।

# हांसी में गंदगी से घिरा शहीद स्मारक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

शहर का ऐतिहासिक शहीद स्मारक इन दिनों नगर परिषद व प्रशासनिक अधिकारियों की उपेक्षा का शिकार है। नगर परिषद कार्यालय से मात्र कुछ ही कदम की दूरी पर स्थित शहीद स्मारक के आस-पास कूड़े कर्कट का ढेर लगा हुआ है। हांसी के शहीदों की वीरता और बलिदान का गवाह यह स्मारक अब कचरे के ढेर, शराब की खाली बोतल और दुर्गंध के बीच अपनी पहचान खोता जा रहा है।

लाल सड़क पर स्थित इस ऐतिहासिक स्थल के पास रोजाना कूड़े के ढेर और गंदगी का अंबार देखा जा सकता है। शाम के समय यहां काफी संख्या में रेहड़ियां और अस्थायी दुकानें लग जाती हैं, जिससे स्मारक पूरी तरह ढक जाता है। स्मारक के भीतर लगी शहीदी दीवार, जिस पर हांसी के वीर सपूतों के नाम अंकित हैं, अब गंदगी और उपेक्षा के कारण धूंधली होती जा रही है। केवल स्वतंत्रता दिवस-गणतंत्र दिवस पर स्मारक की सफाई होती है।

**शहीद स्मारक नगर परिषद व प्रशासनिक अधिकारियों की उपेक्षा का शिकार**

हांसी। शहीद स्मारक के पास लगा कूड़े कर्कट का ढेर।

#### शहीद स्मारकों की सफाई निरंतर कराई जाए

*दुकानदारों का कहना है कि अगर अधिकारी समय रहते ध्यान नहीं देंगे, तो आने वाली पीढ़ियां शहीदों की शहादत से अनजान रह जाएंगी। वहीं शहरवासियों ने मांग की कि शहीद स्मारक की नियमित सफाई, रखरखाव और सुरक्षा की जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि यह स्थल फिर से अपने गौरवपूर्ण स्वरूप में नजर आए और आने वाली पीढ़ियां यहां आकर अपने शहीदों की शहादत से प्रेरणा ले सकें।*

#### जल्द ही सफाई करवा दी जाएगी: चेयरमैन

*नगर परिषद के अध्यक्ष प्रवीण इलाहाबादी का कहना था कि शहीद स्मारक के आस-पास लगे कूड़े कचरे के ढेर का मामला उनके संज्ञान में आया है। और उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्दी ही शहीद स्मारक की सफाई करवा दी जाए।*

# आत्मनिर्भर विकसित भारत बनाना ही भाजपा का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत स्थानीय भाजपा कार्यालय में नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स पर विधायक विनोद भयाना के नेतृत्व में हल्का स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक भयाना ने कहा कि भाजपा की सरकार का उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर बनाकर विश्व पटल पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि "वोकल फॉर लोकल" की भावना के तहत हमें स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए और स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करनी चाहिए। मुख्य वक्ता मुकेश गौड़ ने कहा कि यदि हर भारतवासी स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को अपनी आदत बनाए, तो देश न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि दुनिया की सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक व्यापक सोच है, जिसमें हर नागरिक का योगदान अनिवार्य है।

**भारत दुनिया की सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा : गौड़**

हांसी। कार्यशाला में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों को संबोधित करते विधायक विनोद भयाना। फोटो : हरिभूमि

#### आत्मनिर्भर भारत आह्वान

भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएं।

#### ये रहे मौजूद

कार्यशाला में भाजपा जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट नेहा धवन, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पहल, जिला सचिव प्रवीण सैनी , ओमपाल यादव, जिला कार्यालय प्रभारी मनजीत सिंह जांगड़ा, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष गोल्डी सैनी, पूर्व चेयरमैन राजपाल यादव, अशोक कनौजिया, पुनीत मदान, सोनू जांगड़ा, तनुज खुराना, श्याम खांडा, विजय सैनी, पवन शर्मा, रमेश मदान, विक्रम चोपड़ा आदि उपस्थित रहे।

# आईपीएस वाई पूरण कुमार की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग

**हिसार।** जनवादी महिला समिति हरियाणा ने आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की मौत पर दुख व रोष प्रकट करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जनवादी महिला समिति उनकी पत्नी आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार और अन्य परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। समिति की जिला अध्यक्ष शकुंतुला जाखड़, सचिव बबली लाम्बा, निर्मला केशियर, सर्वजीत कौर, विद्या, जैस्मिन, सुमन ने उपायुक्त के कैंप कार्यालय में ज्ञापन देने के बाद संयुक्त बयान में बताया कि आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार ने आत्महत्या नहीं की है बल्कि यह संस्थागत हत्या है। उन्होंने सुसाइड नोट में कई आईपीएस और आईएएस अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं जिन्होंने उनका उत्पीडऩ किया।

# अग्रोहा धाम में 18 को धनतेरस पर विशेष पूजा-हवन होगा : गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अग्रवाल समाज सिवानी की मीटिंग अग्रोहा धाम अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में अग्रवाल समाज सिवानी ने अग्रोहा धाम में हर प्रकार का सहयोग करने का आह्वान किया। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्य समाज के सहयोग से अग्रोहा धाम में करोड़ों रुपये की लागत से विकास कार्य हो रहे हैं। अग्रोहा धाम देश का पांचवां धाम है।

**बैठक अग्रोहा धाम, अग्रोहा विकास ट्रस्ट में हुई**

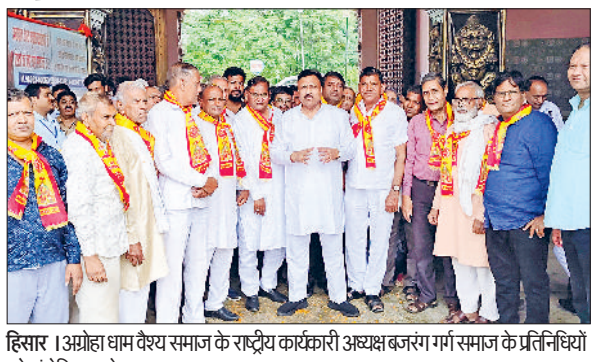

हिसार। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए।

#### मीटिंग में ये रहे मौजूद

*बजरंग गर्ग ने समाज के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजेश केडिया, नरेश केडिया, रतनलाल गर्ग, कृष्ण फोगला, ऋषि राज गर्ग, एन के गोयल, भादरमल गोयल, आनंद गोयल, दीनदयाल मित्तल, हीरालाल बंसल, सुरेश गर्ग, राम भगत बंसल, विनोद अग्रवाल, पवन कुमार आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।*

# राजकीय महाविद्यालय में हुई निबंध प्रतियोगिता, विजेता किए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

राजकीय महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपने-अपने दिमागी कौशल का परिचय दिया। मीडिया प्रभारी पंकज रहेजा, आशीष कुमार व मंजन सिंह ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में बी.एससी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुलोचना ने प्रथम स्थान और बी.एससी द्वितीय वर्ष की छात्रा काम्या ने द्वितीय स्थान तथा बी.एससी प्रथम वर्ष के छात्र आर्यन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

**छात्रा सुलोचना ने निबंध प्रतियोगिता में मारी बाजी**

बरवाला। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित करते कार्यवाहक प्राचार्या रेखा सलूजा व अन्य।

#### इन्हें किया गया सम्मानित

*इस प्रतियोगिता में विकास चाहर, कार्यक्रम संयोजक हरदीप सिंह एवं निर्णायक मंडल की भूमिका में मंजू रानी और मीनाक्षी रानी व प्रयोगशाला सहायक सतबीर सिंह उपस्थित रहे। कार्यवाहक प्राचार्या रेखा सलूजा ने इन विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।*

### ब्रह्मोत्सव के दौरान भगवान के नगर भ्रमण का उपक्रम धूमधाम से पूरा

# मंदिरों में पहुंची भगवान के मोहिनी स्वरूप की सवारी

**अद्भुत स्वरूप को देखकर श्रद्धालु अभिभूत होकर झूमने व नाचने लगे**

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

श्री तिरुपति बालाजी धाम में चल रहे सात दिवसीय ब्रह्मोत्सव के दौरान भगवान के नगर भ्रमण का उपक्रम धूमधाम से पूरा किया गया। पूरे विधि विधान से पूजा-अर्चना के उपरांत फूलों व बहुरंगी छत्र से सुसज्जित पालकी में भगवान के मोहिनी स्वरूप को विराजमान किया गया। इस अद्भुत स्वरूप को देखकर श्रद्धालु अभिभूत होकर झूमने व नाचने लगे। भगवान की पालकी को विशाल रथ पर शोभायमान करके तिरुपति धाम से यात्रा करते हुए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अनंत श्री विभूषित सर्वश्री नारायणाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में हिसार के विभिन्न मंदिरों में शोभा यात्रा निकाली। भगवान के मोहिनी स्वरूप की शोभा यात्रा सबसे पहले बस स्टैंड के पास स्थित सेक्टर-14 के बुधला संत मंदिर में पहुंची। यहां पर भगवान के मोहिनी स्वरूप के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग गया और पूरा सेक्टर-14 जय श्रीमन्ननारायण, जय तिरुपति बालाजी और जय भगवान वेंकटेश के उद्घोष से गूंज उठा। इस दौरान भक्तों की आस्था देखने लायक रही। इसके उपरांत सवारी शोभा यात्रा नई अनाज मंडी के श्री सत्यनारायण शिव मंदिर, गांधी चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर, श्री देवी भवन मंदिर एवं ग्रीन पार्क के संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर में पहुंची। ग्रीन पार्क मंदिर में भजनों के माध्यम से भगवान की महिमा का गुणगान किया गया।

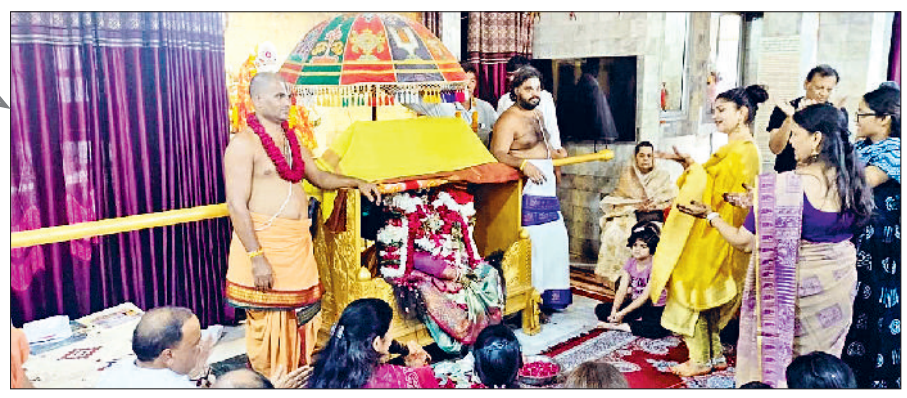

हिसार। तिरुपति धाम से शहर के विभिन्न मंदिरों में पहुंची भगवान के मोहिनी स्वरूप की सवारी शोभा यात्रा में दर्शन करते श्रद्धालु।

#### तिरुपति बालाजी ब्रह्मोत्सव

- सात दिवसीय ब्रह्मोत्सव के दौरान भगवान का नगर भ्रमण धूमधाम से संपन्न हुआ।
- पूजा-अर्चना के बाद भगवान को फूलों और बहुरंगी छत्र से सुसज्जित पालकी में विराजमान किया गया।
- पालकी को विशाल रथ पर सजाकर तिरुपति धाम से यात्रा प्रारंभ हुई।
- शोभा यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु श्री नारायणाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में विभिन्न मंदिरों में पहुंचे श्रद्धालु।

# जागरूकता कार्यक्रम में युवाओं ने ली नशा मुक्त भारत की शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कैंप के तहत नशा के खिलाफ एक मेगा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के 17 राज्यों से आए 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य कार्यक्रम अधिकारी प्रो. दिनेश कुमार रहे जबकि अध्यक्षता डॉ. भगत सिंह एवं डॉ. चंद्रशेखर द्वारा की गई। जिला सुकून काउंसलर एवं नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वॉलंटियर राहुल शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक दीमक की तरह है, जो देश के युवाओं को अंदर से खोखला कर रहा है।

**नशा के खिलाफ मेगा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

हिसार। एनएसएस कैंप में युवाओं को शपथ दिलाते राहुल शर्मा।

#### नशा न करने की दिलाई शपथ

कार्यक्रम के समापन पर सभी स्वयंसेवकों ने हाथ उठाकर नशा न करने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ ली। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अमित भारद्वाज, डॉ. लोचन शर्मा सहित विभिन्न राज्यों से आए एनएसएस अधिकारी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

**सूचना**

मैं, रामदिया पुत्र श्री वजीर सिंह निवासी खाण्डा खेडी, तहसील बास, जिला हिसार बयान करता हूं कि मेरी पुत्री मुकेश मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

## खबर संक्षेप

### सट्टा खाईवाल करने के आरोप में युवक पकड़ा

**नारनौंद।** सीआईए स्टाफ पुलिस ने सट्टा खाईवाल करते हुए एक युवक से हजारों रुपए बरामद करने में सफलता हासिल की है। जिसको गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित युवक की पहचान उमेश निवासी वार्ड 15 नारनौंद के रूप में हुई है। सीआईए स्टाफ में तैनात एएसआई सम्मत कुमार ने बताया कि पुलिस की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नारनौंद के वार्ड चार में सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहा है। इस सूचना के आधार पर टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर उमेश निवासी वार्ड न. 15 नारनौंद को 34,500 रुपए सहित गिरफ्तार किया गया। रुपयों को पुलिस ने कब्जे में लेकर आरोपित युवक के खिलाफ थाना नारनौंद में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

### सोने की बाली छीनकर फरार आरोपी काबू

**बरवाला।** पुलिस ने चोरी व छीना झपटी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बरवाला के वार्ड 19 निवासी अमित कुमार के रूप में हुई है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक उपेंद्र बताया कि शिकायतकर्ता सुरेश कुमार निवासी वार्ड नं. 9, बरवाला ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार उसकी 80 वर्षीय माता श्रीमती चन्द्रावल, जो वार्ड नं. 3 बरवाला में अकेली रहती है। गत 9 अक्टूबर की शाम लगभग पांच बजे एक अज्ञात व्यक्ति किसी का पता पूछने के बहाने घर पहुंचा और मौके का फायदा उठाकर उनकी कान की सोने की बाली छीनकर फरार हो गया। घटना के दौरान आरोपी ने बुजुर्ग महिला को धक्का भी दिया जिससे उन्हें हल्की चोटें आईं। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज करके जांच करते हुए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपी की पहचान वार्ड 19 निवासी अमित कुमार के रूप में की। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके उसके कब्जे से चोरी की गई सोने की बाली बरामद कर ली। पूछताछ उपरांत आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

## प्रकरण से जुड़े आरोपितों को बर्खास्त करे सरकार: चालिया

# एडीजीपी सुसाइड प्रकरण में रविदास महासभा का प्रदर्शन

### समाज और प्रशासन के लिए चिंतन का विषय

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

एडीजीपी वाई पूरन कुमार सुसाइड के मामले में शनिवार को संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास महासभा की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान महासभा के पदाधिकारियों ने सरकार का पुतला भी फूंका। इस दौरान सभा की ओर से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी भेजा गया। संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास महासभा के प्रधान एसपी चालिया ने कहा कि प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरन कुमार द्वारा की गई आत्महत्या की घटना गंभीर और संवेदनशील तथा समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंतन का विषय है। यह घटना नहीं केवल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की व्यक्तिगत त्रासदी है बल्कि यह प्रशासन व्यवस्था, पुलिस प्रशासन और राजनीतिक हस्तक्षेप के दुरूप्रयोग पर भी गहरा प्रशनचिंह खडा करती है। वाई पूरन कुमार द्वारा छोडे गए सुसाइड नोट में प्रभावशाली अधिकारियों व पदाधिकारियों के नाम से स्पष्ट होता है कि जिन पर मानसिक और प्रशासनिक उत्पीडन के गंभीर आरोप है। चालिया ने कहा कि इस घटना में सुसाइड नोट मिलने के बाद भी इन अधिकारियों का नाम एफआईआर में शामिल नहीं किया गया है और न ही गिरफ्तारी या जांच में पारदर्शिता देखने को मिली है।

हिसार। एडीजीपी वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले में प्रदर्शन कर सरकार का पुतला जलाते हुए। फोटो: हरिभूमि

### यह रहे मौजूद

इस मौके पर हरियाणा पुलिस कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह, हरियाणा रोडवेज यूनियन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजबीर सिंह, रघुबीर सिंह सुंडा, लाल चंद यादव, राजकुमार मुवाल, वजीर सिंह मुवाल हांसी, अभयराम अहलान हांसी, गुरू रविदास सभा हांसी के प्रधान रामलाल न्योलिया, सतबीर माथुर, कशमीरी लाल, भूपेंद्र सिंह गंगवा, जिला हिसार अध्यक्ष कांग्रेस बृजलाल बहबलपुरिया, कृष्णा ढुग्गल, प्रकाश पंवार सिवानी, चत्तर सिंह मुवाल, सुरेंद्र पुनिया, केएस जांगडा, एडवोकेट पवन तोंदवाल आदि मौजूद थे।

# अभिभावकों ने ली बच्चों की रिपोर्ट

■ आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में अभिभावक-शिक्षक मीटिंग व एनईपी पर परिचर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस मिलकपुर में अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद शनिवार को अभिभावक-शिक्षक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन और व्यवहार संबंधी जानकारी शिक्षकों से प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय में लागू की जा रही प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा एवं प्रायोगिक शिक्षण पद्धति के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, दो बार बोर्ड परीक्षा प्रणाली, अपार आईडी और पीयर आधारित लर्निंग जैसी नई शैक्षणिक पहल की जानकारी अभिभावकों को दी गई।

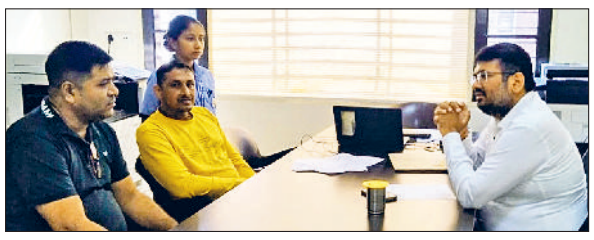

हांसी। पीटीएम में स्कूल निदेशक साहिल यादव से अपने बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट को लेकर चर्चा करते अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

### विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा की

विद्यालय निदेशक साहिल यादव और प्राचार्य नितीश मिश्र ने सभी अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा की तथा शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने हेतु उनके सुझाव आमंत्रित किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच समन्वय व नई शिक्षा नीति पर नवाचार को सशक्त बनाना एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।

### अवैध शराब की 12 बोतल के साथ काबू

**हांसी।** विशेष अभियान के दौरान अनाज मंडी पुलिस चौकी ने 12 बोतल अवैध देशी शराब के साथ भिवानी जिले के गांव ओरंगनगर निवासी सुरेश को गिरफ्तार किया है। अनाज मंडी पुलिस चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर भीम सिंह ने बताया कि गश्त पड़ताल के दौरान हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोक कर तलाशी ली तो उसके पास से 12 बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई आरोपी को अवैध शराब सहित गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफ थाना शहर हांसी में शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अवैध शराब को कब्जा पुलिस में लिया गया है।

### मृगांका कलेक्शन लॉन्च एवं ब्राइडल एलेगेंस इवेंट का आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

तनिष्क द्वारा आयोजित "मृगांका कलेक्शन लॉन्च एवं ब्राइडल एलेगेंस इवेंट"एक बेहद शानदार और यादगार अवसर साबित हुआ। इस कार्यक्रम में शहर की जानी-मानी हस्तियों, ग्राहकों तथा फैशन प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस आयोजन की विशेष शोभा बनीं मुंबई से आईं प्रसिद्ध फैशन स्टाइलिस्ट बंडिता पात्रो, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

उन्होंने ब्राइडल स्टाइलिंग और आधुनिक फैशन एवं ज्वेलरी के नवीनतम रुझानों पर एक ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने अत्यंत उत्साह और रुचि से सुना। पात्रो ने बताया कि आज की आधुनिक दुल्हन पारंपरिकता और आधुनिकता का सुंदर मेल चाहती है, और मृगांका कलेक्शन इसी सोच का बेहतरीन उदाहरण है। पूरे आयोजन का माहौल उत्साह, आकर्षण और एलीगेंस से भरा हुआ था। तनिष्क स्टोर को खूबसूरती से सजाया गया था, जहां रोशनी, संगीत और मेहमानों की मुस्कानें पूरे वातावरण को और भी मनमोहक बना रही थीं। मेहमानों ने नई कलेक्शन को नजदीक से देखा, डिजाइनर्स से चर्चा की।

# वालंटियर्स ने की साफ-सफाई

■ सेवा पखवाड़ा और स्वच्छता अभियान के तहत किया श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सुशीला भवन रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सेवा पखवाड़ा व स्वच्छता अभियान के तहत एनएसएस के वालंटियर्स ने श्रमदान किया।

इस दौरान वालंटियर्स ने स्कूल प्रांगण, प्रधानाचार्या कक्ष की साफ-सफाई की और पार्क की घास को काटकर व खरपतवार हटाकर साफ-सुथरा बनाया। इस अवसर पर एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी सन्तोष ओला, अनिल चन्द्र पाण्डे, संगीत सांगवान, किरण ढिल्लो, महेन्द्र ने भी श्रमदान किया। प्राचार्य कृष्ण श्योकन्द के नेतृत्व में वालंटियर्स व स्टाफ सदस्यों ने सेवा पखवाड़ा मनाते हुए स्वच्छता अभियान को पूरा किया।

हिसार। श्रमदान करते एनएसएस वालंटियर्स और स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

# सरकार की गलत नीतियों से किसान परेशान

■ जजपा का जिलास्तरीय सम्मेलन 17 को हिसार में, लगाई ड्यूटियां

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जननायक जनता पार्टी के जिला मुख्यालय में शनिवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जेजेपी जिला अध्यक्ष अमित बूरा व जिला प्रभारी अनिल बालकिया ने की।

इस मौके पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बूरा ने बताया कि आगामी 17 अक्टूबर को हिसार की जाट धर्मशाला में सम्मेलन होगा। जिसमे बतौर मुख्य अतिथि जजपा सुप्रीमो डॉ. अजय सिंह चौटाला होंगे। सम्मेलन में पूर्व उपमुख्यमन्त्री दुष्यन्त चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा व पार्टी को अनेक वरिष्ट नेता शिरकत करेंगे।

सम्मेलन में जिले के प्रत्येक गांव से सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हर गांव से लाने के लिए जिला अध्यक्ष ने जिले के पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई। अमित बूरा ने कहा कि अनाज मंडियों में फसल बिक्री के लिए सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान परेशान है। ऊपर से नमी के नाम पर सही दाम नहीं दिए जा रहे हैं। किसान की लागत भी पूरी नहीं हो रही है।

हिसार। जेजेपी पदाधिकारियों को संबोधित करते पार्टी के जिलाध्यक्ष अमित बूरा।

### यह रहे मौजूद

इस अवसर पर हिसार हल्का प्रभारी तरुण गोयल, विपिन गोयल, राजेन्द्र झाझड़िया, सत्यवान कुहाड, विरेन्द्र चौधरी, सुनील मुंड, राजेन्द्र सोरखी, अजीत, जिला प्रवक्ता रवि आहूजा, गुलाब सिंह खेदड़, सतबीर कसवां, कर्णसिह देपल, राजेन्द्र चुटानी, रणधीर बल्हारा, अनिल शर्मा, शमशेर दुल, मोहित अरोड़ा, सतबीर मुंगेरिया, जगदीश लौरा, मन्दीप बिश्नोई, बाली भाटोल आदि उपस्थित थे।

हिसार। अंतरिक्ष सप्ताह के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। फोटो: हरिभूमि

# गुजवि में आर्थिक संसाधनों की कोई कमी नहीं: बिश्नोई

■ गुजवि में अंतरिक्ष सप्ताह के उपलक्ष्य पर हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा है कि शोध व नवाचार से भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प को पूरा होगा। गुजवि शोध व नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रहा है। शोध व नवाचार के लिए विश्वविद्यालय में आर्थिक संसाधनों की कोई कमी नहीं है। कुलपति विवि के भौतिकी विभाग की भौतिकी एसोसिएशन के सौजन्य से अंतरिक्ष सप्ताह के उपलक्ष्य पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम को समापन के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि अपना संबोधन दे रहे थे। कुलपति ने कहा कि आयोजन विद्यार्थियों में विज्ञान-नवाचार के प्रति जिज्ञासा व उत्साह जागृत करते हैं।

### ये रहे विजेता

प्रो. आरएस कुंडू ने बताया कि पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में भौतिकी विभाग की गरिमा और तमन्ना ने प्रथम, पायल और सीमा ने दूसरा, तथा तनिषा और मुस्कान ने तीसरा स्थान हासिल किया। क्विज प्रतियोगिता में सीएसई विभाग की टीम स्पेस एक्सप्लोरर्स (आकाश, सौरव पराशर, पीयूष, मानवी, ललित्य कुमार) ने प्रथम और टीम तांडव (अंकित सिंह, अजीत, देबजीत डे, लक्ष्य पाठक, अंशिका) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वक्तृत्व प्रतियोगिता में भौतिकी विभाग की समीक्षा और वरिंदा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

# अवैध हथियारों सहित दो को किया गिरफ्तार

■ 2 अवैध पिस्तौल व 7 जिंदा कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सीआईए टीम ने सूर्य नगर ओवरब्रिज के पास से दो युवकों को अवैध हथियारों सहित काबू किया है। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध पिस्तोल और सात जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। सीआईए प्रभारी उप निरीक्षक कर्ण सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान रायपुर रोड पुलिस नाका पर मौजूद थी। तभी सूचना मिली कि दो युवक अवैध हथियार सहित किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में सूर्य नगर ओवरब्रिज के पास मौजूद हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां दोनों युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा करने पर एक युवक पत्थरों पर गिर गया और उसका पैर टूट गया। दोनों को मौके पर काबू कर लिया गया।

हिसार। अवैध हथियारों सहित पकड़े गए युवक। फोटो: हरिभूमि

### पूछताछ जारी

पूछताछ में उनकी पहचान मीरपुर निवासी आर्यन व नंगथला निवासी विक्रम के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आर्यन के कब्जे से 30 बोर की एक पिस्तोल व दो जिंदा कारतूस तथा विक्रम के कब्जे से 32 बोर की पिस्तोल व पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामद दो पिस्तोल, दो मैगजीन और सात कारतूस को कब्जे में लेकर पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उन दोनों से पूछताछ कर रही है।

# राज्य ओलंपिक गेम्स के लिए फुटबॉल ट्रायल्स

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

निकटवर्ती गांव गंगवा स्थित फुटबॉल ग्राउंड में 27वें हरियाणा राज्य ओलंपिक खेल-2025 के लिए फुटबॉल खिलाड़ियों के चयन ट्रायल्स का आयोजन किया गया। इस ट्रायल का उद्देश्य जिले के उत्कृष्ट फुटबॉल खिलाड़ियों का चयन करना था, जो आगामी राज्य ओलंपिक गेम्स में हिसार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

**गेम्स में हिसार का प्रतिनिधित्व करेंगे**

यह ट्रायल हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन की देखरेख में आयोजित हुआ। ट्रायल्स के पर्यवेक्षक के रूप में हरियाणा ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव रविन्द्र पानू एवं हरियाणा वुशू स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा के उपाध्यक्ष मुकेश बंसल उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और खेल भावना के अनुरूप संपन्न हो। खेल चयन प्रक्रिया के दौरान जूनियर फुटबॉल कोच मधु बाला, अश्वनी कुमार, नरेंद्र जांगड़ा, विनोद कुमार और मंजू (जूनियर फुटबॉल कोच) ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। पर्यवेक्षक रविंदर पानू ने कहा कि हरियाणा में खेलों के प्रति युवाओं का उत्साह काबिल-ए-तारीफ है।

### गुजविः दूरस्थ दाखिलों के आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर

**हिसार।** गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) ने 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया अंतिम चरण में है। दाखिलों के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। विश्वविद्यालय ने ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन लर्निंग दोनों माध्यमों से कार्यक्रमों की व्यापक श्रेणी के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षार्थियों की ट्रांसपोर्ट व लॉजिस्टिकल संबंधित समस्याओं को समझता है, इसलिए हरियाणा के लगभग हर जिले में शिक्षा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

**आयोजन** अग्रसैन भवन में आयोजित दिवाली मेला में भीड़ उमड़ी

# मां-बेटी के डांस मुकाबले का खिताब मीना व मायरा ने जीता, तम्बोला में नेहा विजेता रही

■ बच्चों के लिए गेम शो, खाने-पीने की स्टालों में दिखी भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

अग्रवंशी महिला समिति की ओर से समिति की प्रधान साधना गोयंका की अध्यक्षता में अग्रसेन भवन में प्रातः भव्य दिवाली मेला शुरु हुआ। मेले की शुरुआत समाजसेवी महेन्द्र लाहौरिया ने रिबन काटकर व दीप प्रज्जवलित करके की।

समिति की सदस्यों ने स्वागत किया। मेले में विभिन्न प्रकार की स्टालों के साथ, बच्चों के लिए गेम शो, खाने-पीने की स्टालों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

हिसार। दिवाली मेले के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित अग्रवंशी महिला समिति की सदस्याएं। फोटो: हरिभूमि

### समापन

सायंकाल मेले के समापन अवसर पर केबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के पुत्र संजीव गंगवा मुख्यातिथि के रुप में तथा समाजसेविका पंकज संधीर विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित हुए। संजीव गंगवा ने सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर समिति की उपप्रधान गुंजन आर्य, रोमा लोहिया, सचिव कल्पना जैन, सहसचिव सुदेश जिंदल, कोषाध्यक्ष अंजू जैन के अलावा कौशल जैन, गीता लोहिया, मधु ढींवान आदि उपस्थित रहे।

### दिखाया उत्साह

मुख्य कार्यक्रमों में तम्बोला, बच्चों का डांस, मां-बेटी का कम्पीटिशन, पेंटिंग कम्पीटिशन सहित अन्य कई कार्यक्रम आयोजित किए गये। निर्णायक मंडल में डॉ. शमीम शर्मा व शकुंतला गोयल शामिल रहे। तम्बोला में नेहा विजेता रही। मां-बेटी के डांस मुकाबले में मीना मलिक व मायरा विजेता रहे। महाराजा अग्रसैन का चित्र बनाने की पेंटिंग प्रतियोगिता में सनाया विजेता रही। लक्की ड्रा की विजेता मोनिका खेड़ा रहीं। सुबह से शुरु हुई भीड़ मेले के समापन तक जारी रही। लोगों ने मेले का भरपूर आनन्द लिया। मंच संचालन सौरभ ठकराल ने किया।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 अक्टूबर 2025
P-1

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

# धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

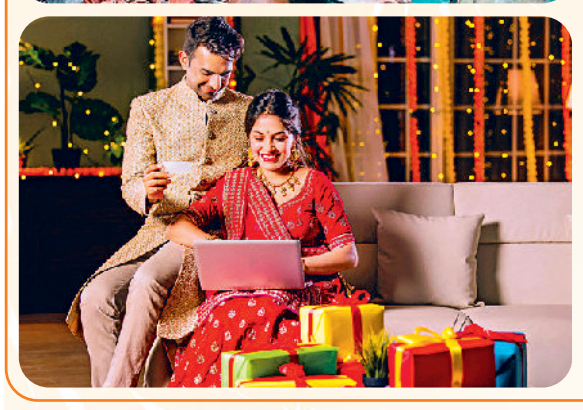

{ आवरण कथा }
शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

## होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

## डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

## बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

## विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस में, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेचिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

## आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

### देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

**आज के** दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

एक समय तक दीपावली के मौके पर परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों के साथ खेल के तौर पर जुआ खेलने की परंपरा रही। लेकिन हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए गैंबलिंग की लत ने बड़ा सामाजिक-आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। इस बारे में अवेयर रहने की जरूरत है।

# भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

{ अवेयरनेस }
एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

**परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग:** यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

**बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग:** दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

**क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में:** पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढ़नी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

**गंवा देते हैं हजारों करोड़:** हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

**कानूनी स्थिति:** हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

**दूर रहने का लें संकल्प:** दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

{ गजल }
अब्दुल कलाम

## मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सच का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की जद में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखे बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

{ लघुकथाएं }

# अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

# फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

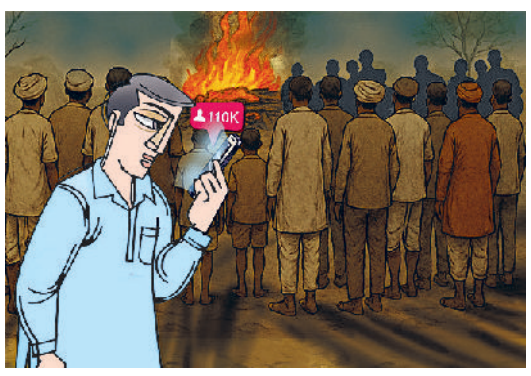


दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

## जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

**पुस्तक:** जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
**लेखक:** गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
**प्रकाशक:** सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

अमेजिंग स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

इन दिनों फेस्टिवल सीजन चल रहा है। आपके घर के आस-पास और बड़ी मार्केट्स में खूब रौनक और भीड़-भाड़ दिख रही होगी। बाजार ऐसा स्थान होता है, जहां से हम सभी अपनी जरूरत का हर सामान खरीद सकते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी बाजार हैं, जो अपनी खूबसूरती, भव्यता, अद्भुत सामानों की बिक्री और अनोखेपन के कारण बहुत मशहूर हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे बाजारों और उनकी विशेषताओं पर एक नजर।

# ये हैं दुनिया के कुछ अनोखे-प्रसिद्ध बाजार

### डम्नोएन सडुआक फ्लोटिंग मार्केट

यह अनोखा बाजार थाईलैंड में बैंकॉक से लगभग 100 किमी. दक्षिण-पश्चिम में राजबुरी इलाके में लगता है। डम्नोएन मार्केट थाईलैंड के सबसे मशहूर और बड़े तैरते हुए बाजारों में से एक है। इस

बाजार का निर्माण 19वीं सदी के अंत में तत्कालीन राजा रामचतुर्थ के आदेश पर हुआ था। जिसका उद्देश्य माइकलोंग और थाची नामक नदियों को आपस में जोड़ना और उनके माध्यम से व्यापार को सुगम बनाना था। आज यह बाजार सदियों पुरानी थाई परंपरा को दर्शाता है। यहां महिला विक्रेता ज्यादा हैं, जो पारंपरिक कपड़े पहनकर लकड़ी की छोटी नावों पर सामान बेचती हैं। इनमें फल, सब्जियां, ताजा पका हुआ स्ट्रीट फूड, स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ हस्तशिल्प का सामान होता है। यह बाजार सुबह सात से नौ बजे तक सबसे अधिक व्यस्त रहता है। इच्छुक खरीदार ही नहीं, इस अनोखी फ्लोटिंग मार्केट में घूमने और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भी नाव से आते हैं।

### ईमा कीथेल मार्केट

यह अनोखा बाजार भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राजधानी इंफाल में लगता है। यह बाजार लगभग 500 वर्ष पुराना है और एशिया के सबसे बड़े बाजारों में गिना जाता है। ईमा केथेल बाजार की नींव 16वीं शताब्दी में लल्लुप काबा के विरोधस्वरूप हुई मानी जाती है। उस समय पुरुषों को जबरन बंधुवा मजदूर बनाने और दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने के लिए भेजने की प्रथा थी। जिसके चलते महिलाओं को घर की आर्थिक जिम्मेदारी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। उन्हें खेती, विभिन्न खाद्य पदार्थ, घरेलू सामान, परंपरागत सिलाई-बुनाई, हस्तकला निर्मित वस्तुओं का निर्माण,

मछली पकड़ने जैसे कार्य करके अपने उत्पाद बेचने पड़े। तभी यह बाजार अस्तित्व में आया।

आज ईमा कीथेल मार्केट दुनिया में एकमात्र ऐसा बाजार है, जो पूरी तरह से महिला विक्रेताओं तकरीबन (6000) द्वारा संचालित किया जाता है। ईमा कीथेल नाम का मणिपुरी भाषा में अर्थ मां का बाजार है, जिसमें प्रायः सभी दुकानदारों को ईमा या मां कह कर संबोधित किया जाता है। यह मुख्यतया तीन खंडों में बंटा हुआ है। जहां घरेलू सामान, फल-सब्जियां, मसाले, विभिन्न प्रकार के जलीय जीव, मणिपुरी पारंपरिक वस्त्र और बुनाई के उत्पाद मिलते हैं। यह केवल एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि मणिपुर की महिलाओं की आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, गौरव और सामाजिक-आर्थिक महत्व का एक जीवंत प्रतीक है।

### मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट

थाईलैंड के सामुन सोंग खराम प्रांत में लगने वाली मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट को स्थानीय भाषा में तलात रोखूप या फोल्डिंग अंब्रेला मार्केट भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे अनूठे और रिस्की बाजारों में से एक है। यह बाजार अपनी बिक्री वाले सामान के लिए नहीं, बल्कि एक्टिव रेलवे ट्रैक के किनारे बने होने और भारी आवाजाही के कारण मशहूर है। यानी, बाजार के दुकानदार ही नहीं, खरीदार भी रेलवे ट्रैक पर सामान खरीदते-बेचते हैं। यहां ताजे फल, सब्जियां, समुद्री भोजन और अन्य घरेलू सामान मिलता है। इस बाजार का सबसे बड़ा आकर्षण और अनोखापन है ट्रेन का बाजार के बीचों-बीच दिन में आठ बार गुजरना। जैसे ही ट्रेन के आने का हॉर्न बजता है, सभी दुकानदार रेलवे ट्रैक तक पहुंचने वाले अपनी-अपनी दुकान के तिरपाल, छतरियां और सामान तुरंत हटा लेते हैं। रेलवे ट्रैक पर बेखौफ चलने वाले खरीदार भी रास्ता देकर ट्रेन के गुजरने का इंतजार करते हैं। ट्रेन के चले जाने पर बिना देर किए दुकानें फिर सजा लेते हैं और कुछ पलों के लिए थमे बाजार की रौनक दुबारा शुरू हो जाती है। यह अनूठी दिनचर्या जहां स्थानीय वाणिज्य और रेल परिवहन के बीच तालमेल का एक शानदार उदाहरण है, वहीं यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

### ग्रैंड बाजार

तुर्की देश के इस्तांबुल शहर में स्थित ग्रैंड बाजार को तुर्की भाषा में कापाली चार्शी कहा जाता है। इसका निर्माण 1455 में ऑटोमन साम्राज्य के सुल्तान मेहमेद द्वितीय के आदेश पर शुरू हुआ था। अपनी जटिल वास्तुकला, गुंबददार छत और ऐतिहासिक भव्यता के कारण यह बाजार सिर्फ

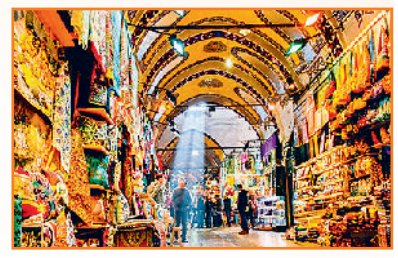

एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं है। बल्कि तुर्की की संस्कृति, इतिहास और एशिया-यूरोप के मध्य में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में इस्तांबुल की भूमिका को दर्शाता, जीता-जागता संग्रहालय भी कहा जा सकता है। आज ग्रैंड बाजार दुनिया के सबसे बड़े और सबसे खूबसूरत बाजारों में से एक है। इसमें 61 से अधिक कवर किए गलियारे और 4000 से अधिक दुकानें हैं। सदियों से व्यापार और वाणिज्य का केंद्र रहे ग्रैंड बाजार में लाखों पर्यटक और खरीदार रोजाना पहुंचते हैं। हस्तनिर्मित टर्किश कालीन, रंगीन सेरेमिक की वस्तुएं, सोने-चांदी के आभूषण, चमड़े के सामान के साथ विभिन्न प्रकार के मसाले, आकर्षण का केंद्र हैं। खरीदारी के लिए मोल-भाव करने का प्रचलन भी यहां है, जो आगुंतकों के खरीदारी के अनुभव को अधिक रोमांचक बना देता है। *

### डल झील बाजार

**भारत के** केंद्र शासित प्रदेश कश्मीर की डल झील पर लगता है यह तैरता हुआ डल झील सब्जी बाजार। डल झील के बीच पानी में थोड़े समय के लिए लगने वाला बाजार कश्मीर घाटी की संस्कृति और सुंदरता का अद्भुत प्रतीक माना जाता है। यह भारत का इकलौता और दुनिया के चुनिंदा अनोखे बाजारों में एक है, जो पानी के ऊपर लगते हैं। इस बाजार का नजारा डल झील की शांत नीली पृष्ठभूमि और पहाड़ों की छाया के बीच कश्मीरी जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के साथ निवासियों के गहरे जुड़ाव को भी दर्शाता है। डल झील बाजार में रोजाना सुबह पांच से सात बजे तक चहल-पहल बनी रहती है। यानी इस बाजार से यदि किसी को सब्जियां खरीदनी हैं, तो उसे सुबह जल्द ही आना पड़ेगा। स्थानीय विक्रेता लोग शिकारा नाव पर सवार होकर इस बाजार में खुद उगाई सब्जियां लेकर बिक्री के लिए आते हैं। वहीं खरीदार भी अपने शिकारा पर सवार होकर आते हैं और चलते हुए एक नाव से दूसरी नाव पर खरीद-फरोख्त करते हैं।

यूनीक पेंटिंग / मनीष कुमार चौधरी

सदियों पहले इटेलियन पेंटर लियोनार्डो दा विंची द्वारा बनाई गई अद्वितीय पेंटिंग मोनालिसा का आकर्षण अब भी बरकरार है। इस यूनीक पेंटिंग से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों पर एक नजर।

# मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान

लियोनार्डो दा विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग मोनालिसा ने कल्पना को जितना मोहित किया है, उतना शायद ही किसी कलाकृति ने किया हो। उनके इस चित्र का रहस्य और आकर्षण 30 इंच X 20 इंच के साधारण फ्रेम से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वह किताबों, फिल्मों, गीतों और यहां तक कि एक कला चोरी का विषय भी है। समय के साथ पेंटिंग का वार्निश भले ही धुंधला और पीला पड़ गया हो, लेकिन उनकी भावपूर्ण मुस्कान और रहस्यमयी निगाहें अभी भी चमकती हैं।

**कौन थी असली मोनालिसाः** हालांकि मोनालिसा की पहचान को लेकर कुछ मतभेद हैं। लेकिन ज्यादातर विद्वानों और कला इतिहासकारों का मानना है कि यह चित्र फ्रांसीसी संभ्रांत महिला लिसा डेल जियोकोंडो का है, जो एक धनी रेशम व्यापारी फ्रांसेस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी थी। लिसा का जन्म 1479 में हुआ था और उन्होंने 15 साल की उम्र में फ्रांसेस्को से शादी की थी। वह बहुत सुंदर और आकर्षक थीं। लियोनार्डो ने 1503 में मोनालिसा को चित्रित करना शुरू किया और 1517 तक इस पर काम किया। हालांकि यह पेंटिंग डेल जियोकोंडो के घर में कभी नहीं सजी। लेकिन दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हुई।

**स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमालः** इस चित्र को बनाने में लियोनार्डो ने अपनी विशिष्ट स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें किसी व्यक्ति के फेस पेंटिंग में होंठों और आंखों के किनारों को सूक्ष्म रूप से धुंधला करके धुएं जैसा रहस्यमयी प्रभाव पैदा किया जाता है। इस प्रभाव से चित्र की आंखें विभिन्न भागों पर घूमती दिखती हैं, मुस्कुराहट बदलती हुई प्रतीत होती है। इस चित्र में ऐसे भाव प्रकट होते हैं, जिसको देखकर यह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि वह खुश है या उदास। वह मुस्कुरा रही है या नहीं। रहस्य का यही स्पर्श पेंटिंग के आकर्षण में इजाफा करता है और दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर देता है।

**रहस्यात्मक मुस्कानः** मोनालिसा की मुस्कान एक सीधी-सादी, हर्षित मुस्कान नहीं है। इसे अकसर उदासी, गंभीरता या किसी रहस्य का संकेत देने वाली मुस्कान

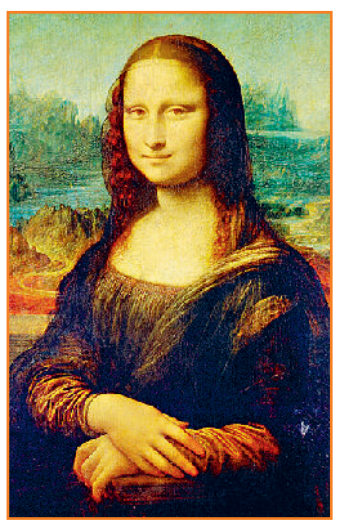

के रूप में वर्णित किया जाता है। यह मुस्कान लियोनार्डो की मानवीय अभिव्यक्ति और भावनाओं की बारीकियों को पकड़ने की असाधारण क्षमता को भी दर्शाती है। इस मुस्कान का पेंटिंग आर्ट पर अमिट प्रभाव रहा है, जिसने अनगिनत कलाकारों, लेखकों और फिल्म निर्माताओं को इसकी गहराई का पता लगाने और अपनी व्याख्याएं रचने के लिए प्रेरित किया है। इस पेंटिंग को अब तक की सबसे महान भावनात्मक पेंटिंग तक बताया गया है। कुछ इसे परंपरा से परे, परिभाषा से परे, छवि से परे सत्य की तलाश करते हुए पाते हैं। 'तुम्हारी मुस्कान मोनालिसा जैसी है।' यह कहने का मतलब है-रहस्य। यानी कोई मुस्कान रहस्य और जिज्ञासा से कैसे जुड़ जाती है, मोनालिसा की मुस्कान इसका एक सशक्त उदाहरण है। ऐसा माना जाता है कि मोनालिसा द्वारा अपनी मुस्कान में अपनी खुशी को पूरी तरह से व्यक्त न करने का कारण उनके पिछले नुकसान का दर्द था। यह सिद्धांत कई शोक संतप्त महिलाओं के साथ प्रतिध्वनित होता है।

**लियोनार्डो की कलात्मकता का कमालः** लियोनार्डो ने चीजों को गहराई से देखने की अपनी क्षमता और अध्ययनों को अपनी कला में भी शामिल किया। मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में लियोनार्डो की अंतर्दृष्टि और गहरी समझ, उनकी उत्कृष्ट कृतियों को अमूल्य बनाती है। एक अध्ययन के अनुसार, मोनालिसा के मुंह की मूल तस्वीर 97 प्रतिशत बार 'खुशी' के रूप में देखी गई। यह शोध इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि मुस्कान वास्तव में खुशी का चित्रण है। मुस्कान के विभिन्न तत्वों का विश्लेषण और पुनर्निर्माण करके वैज्ञानिकों को इस बात की गहरी समझ मिली कि लियोनार्डो दा विंची अपनी कलात्मकता के माध्यम से दर्शकों की भावनाओं को कैसे प्रभावित करते थे।

**चोरी भी हो चुकी पेंटिंगः** लियोनार्डो अपनी इस पेंटिंग को 14 साल तक अपने साथ रखे रहे। उनके प्रशंसक कलाकारों और छात्रों ने उनके जीवनकाल में ही इस कलाकृति की प्रतियां बनाना शुरू कर दिया था। यह चित्र अंततः लियोनार्डो के अंतिम संरक्षक फ्रांस के राजा फ्रांसिस प्रथम के संग्रह में शामिल हो गया। लेकिन 21 अगस्त 1911 को यह पेंटिंग चोरी हो गई। अगले दो सालों तक उसकी चोरी की कहानी एक सांस्कृतिक सनसनी बनी रही। वर्ष 1913 में विंसेंजो पेरुगिया नामक व्यक्ति पकड़ा गया, जिसने इसे चुराया था। इस तरह मोनालिसा वापस अपने फ्रेम में पहुंच गई। *

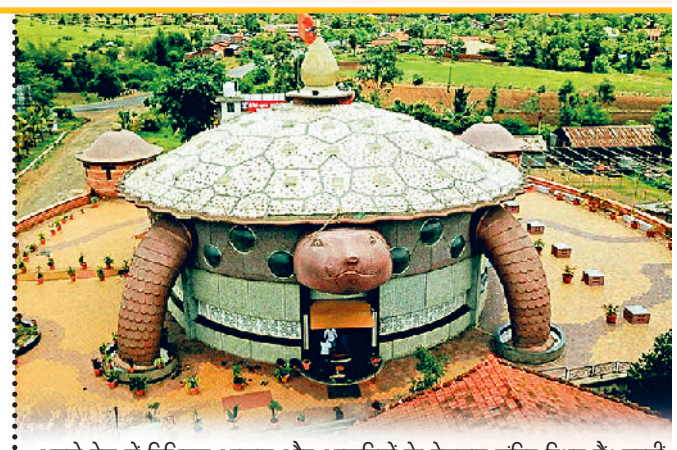

अपने देश में विभिन्न आकार और आकृतियों के बेशुमार मंदिर स्थित हैं। इन्हीं में से एक कछुए की आकृति वाला अनूठा मंदिर महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित है। इस मंदिर की विशेषताओं और इससे जुड़ी निर्माण कथा के बारे में जानिए।

# कछुए की आकृति वाला अजब-अनूठा मंदिर

रोचक / अशोक वाधवाणी

अपने भारत देश में बहुत सारे ऐसे अद्भुत, अनूठे मंदिर हैं, जिन्हें देखने वाला मंत्रमुग्ध होकर निहारता रह जाता है। इनकी स्थापत्य कला का नायाब नमूना हर किसी को अचरज से भर देता है। कुछ की संरचना इतनी भव्य और अनूठी है कि उसे देखने दुनिया भर से लोग आते हैं। कुछेक मंदिर तो ऐसे हैं, जो आकार में छोटे हैं, लेकिन उनमें लोगों को आकर्षित करने की भरपूर क्षमता है। ऐसा ही एक अनोखा मंदिर पश्चिम

अपने अनोखे स्ट्रक्चर के कारण प्रसिद्ध है यह मंदिर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पैजार वाडी नामक छोटे से स्थान में स्थित है, जो कि पन्हाला हिल स्टेशन के निकट है। कोल्हापुर-रत्नागिरी रोड पर, कोल्हापुर से महज 25 किमी. की दूरी पर बने इस मंदिर की विशेषता है, इसका कछुए की अनोखी आकृति का होना। कछुआ आकृति वाला दूसरा कोई मंदिर पूरे महाराष्ट्र में और कहीं नहीं है।

**निर्माण से जुड़ी मान्यताः** इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी मान्यता के अनुसार एक समय में यहां पर श्रीदत्त चिले महाराज के नाम से एक प्रसिद्ध संत हुआ करते थे। वे अपने अनुयायियों के साथ अलग-अलग जगहों का भ्रमण किया करते थे। कोल्हापुर शहर के आस-पास की जगहों जैसे- टेंबलाई, नृहिंहवाड़ी, कोकण क्षेत्र में जोंध मारुति आदि के अलावा पंढ़रपुर जैसी धार्मिक जगहों पर वे अकसर जाते रहते थे। वे जहां भी जाते थे, उस इलाके में रहने वाले कछुओं को अवश्य याद करते थे। किसी स्थान पर पहुंचकर वे जब अपने अनुयायियों से कहते कि कछुआ यहीं-कहीं होना चाहिए, तो उनके शिष्यों की भाग-दौड़ शुरू हो जाती। उन शिष्यों के अचरज का ठिकाना नहीं रहता, जब गुरुदेव के कहे स्थान पर कछुए का दर्शन हो जाता था। श्रीदत्त महाराज का कछुए के प्रति इतना लगाव-जुड़ाव क्यों था? इसकी सही-सही जानकारी नहीं मिली। लेकिन उनके अनुयायी और शिष्य मानते थे कि महाराज जहां कह देंगे, वहां कछुआ जरूर दिख जाता था। वर्ष 1986 में उनके देह त्यागने के बाद उनकी समाधि बनाई गई। मंदिर ट्रस्ट के सारे सदस्यों ने योजना बनाई कि चिले महाराज का कछुए के प्रति आकर्षण को ध्यान में रखकर कछुए की आकृति वाला मंदिर बनवाया जाएगा।

**मंदिर की संरचना-विशेषताः** कुल 5000 स्क्वायर फीट एरिया में बने इस मंदिर की ऊंचाई 51 फुट, लंबाई 60 फुट और चौड़ाई 80 फुट है। इसकी विशेषता यह है कि मंदिर के निर्माण में किसी भी खंबे का सहारा नहीं लिया गया है। इसकी खूबियों, खासियतों को ध्यान में रखकर ही एक अमेरिकन संस्था ने इसे वर्ष 2005 'आउटस्टैंडिंग स्ट्रक्चर ऑफ द ईयर' के पुरस्कार से सम्मानित किया है।

**ऐसे किया गया निर्माणः** इस मंदिर की योजना को मूर्त रूप देने के लिए पुंडलिक राव इंगले ने विशेष प्रयास किए थे। इसे बनाने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइनें मंगाई गईं। आखिरकार 15 में से एक आर्किटेक्ट प्रमोद बेरी की डिजाइन का चयन किया गया। इस तरह मंदिर का निर्माण पूरा किया गया। इस मंदिर के अंदर ही चिले महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुगणों की आस्था का केंद्र है।

**लगता है श्रद्धालुओं का जमघटः** ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष बाबा साहब चव्हाण के अनुसार देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का तांता, दर्शन करने के लिए इस मंदिर में लगा रहता है। कई विशेष धार्मिक अवसरों जैसे- श्रीदत्त जयंती, चिले महाराज जी की जन्मतिथि, पुण्यतिथि, हर माह की अमावस्या, गुरु पूर्णिमा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आदि धार्मिक-आध्यात्मिक-सामाजिक अवसरों पर कई कार्यक्रमों का यहां आयोजन किया जाता है। *

जो फिल्में कॉमर्शियली सक्सेसफुल हैं, जरूरी नहीं कि वे कालजयी फिल्में भी हों। ऐसे ही यह भी जरूरी नहीं कि सदाबहार कालजयी फिल्मों का बॉक्स-ऑफिस रिकॉर्ड भी अच्छा रहा हो। बॉलीवुड की कुछ क्लासिक और कॉमर्शियली सक्सेसफुल फिल्मों के फंडे पर एक नजर।

# बॉलीवुड की क्लासिक फिल्में वर्सेस कॉमर्शियली हिट फिल्में

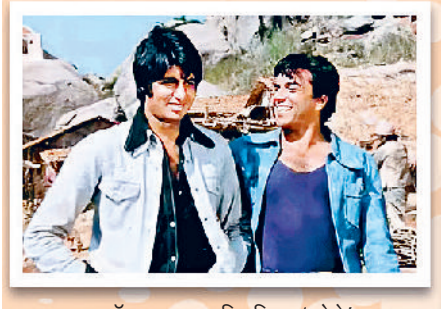

ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म 'शोले'

कल्ट क्लासिक फिल्म 'मुगल-ए-आजम'

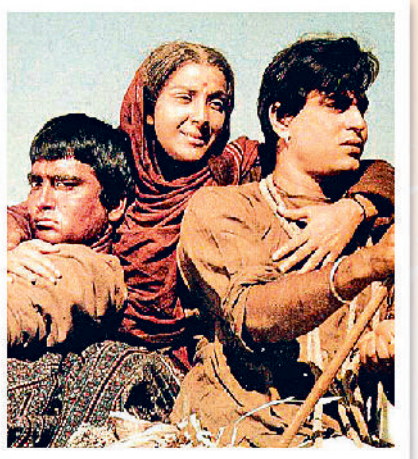

कालजयी फिल्मों में शामिल है 'मदर इंडिया'

सिल्वर स्क्रीन / हेमंत पाल

कालजयी फिल्में वे होती हैं, जिनमें कलात्मक उत्कृष्टता हो। वे सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन ही नहीं करतीं, ये फिल्में ऐसे विषयों से जुड़ी होती हैं, जो मानवीय जीवन और अनुभव के विभिन्न पहलुओं को सामने लाने का माध्यम बनती हैं। इनकी प्रासंगिकता तात्कालिक नहीं होती। ये फिल्में दशकों बाद भी दर्शकों से जुड़ने में सक्षम रहती हैं। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कारोबारी सफलता भी बहुत मायने रखती है, पर सबसे बड़ी सफलता है किसी फिल्म का कालजयी होना।

**कॉस्टिंग-इनकम-सक्सेस का फंडाः** यह बात सच है कि किसी भी फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन या फिल्म से इनकम के आधार पर उसे हिट या फ्लॉप का तमगा दे दिया जाता है। फिल्म की कमाई का सीधा सा अर्थशास्त्र यह है कि फिल्म अपनी कुल लागत से ज्यादा कारोबार करे। जो फिल्म जितना अधिक बिजनेस करती है, उस हिसाब से उसकी सफलता का आकलन किया जाता है।

**बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस फैक्टर्सः** बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की सक्सेस के अनेक फैक्टर्स होते हैं। आज के दौर में फिल्में अकसर जबर्दस्त एडवर्टाइजमेंट के साथ रिलीज होती हैं, जो तत्काल टिकट-बिक्री को बढ़ाती हैं। उनकी मार्केटिंग और प्रचार का भी मैजिकल अट्रैक्शन पैदा किया जाता है। यही दर्शकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि यह फंडा हर फिल्म के लिए सफल नहीं होता, इसलिए क्योंकि ये इफेक्ट टेंपरेरी हो सकते हैं, जो ऑडियंस को एक बार थिएटर तक खींच सकते हैं, लेकिन अगर फिल्म कंटेंट में दम नहीं है तो कुछ ही समय में सारा प्रचार का जादू फेल भी हो जाता है।

**क्लासिक फिल्मों की खासियतः** सवाल यह भी है कि अधिक निर्माण लागत और अच्छी-खासी कमाई वाली सभी फिल्में क्या लंबे समय तक दर्शकों को याद रह पाती हैं? इसका जवाब है, शायद नहीं, क्योंकि फिल्में महंगी निर्माण लागत या कमाई से नहीं, बल्कि अपने कथानक, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय से याद रखी जाती हैं। बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में भी आईं, जिसने व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता पाई, लेकिन उन फिल्मों की कहानी या कलात्मकता ऐसी नहीं थी कि उन्हें समय के साथ याद रखा जाए। वहीं कुछ फिल्में कम बजट में बनीं, कम चलीं, लेकिन कालजयी हुईं। करोड़ों का कारोबार करने वाली सभी सुपरहिट फिल्में कालजयी इसलिए नहीं बन पातीं क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर सफलता व्यावसायिक पहलुओं जैसे मार्केटिंग, प्रचार और दर्शकों की तात्कालिक पसंद पर निर्भर होती है। जबकि कालजयी फिल्में समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली कला, गहराई और स्थाई सामाजिक प्रासंगिकता से जन्म लेती हैं। बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म का हिट होना, अकसर एक विशिष्ट समय की प्रवृत्ति होती है, जो समय के साथ धुंधली हो सकती है। लेकिन कालजयी फिल्में मानवीय भावनाओं, विचारों और सामाजिक बदलावों को पकड़ती हैं, जो उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी प्रासंगिक बनाती हैं।

**बहुत कम बनती हैं कालजयी फिल्मेंः** सौ सालों से ज्यादा लंबे भारतीय फिल्म इतिहास में आज भी ऐसी फिल्में अंगुली पर गिनी जा सकती हैं, जो हर दौर में पसंद की जाती रही हैं। 'कालजयी' का मतलब है, समय के साथ अपनी प्रासंगिकता और महत्व को बनाए रखना। कालजयी फिल्में समय काल के सामाजिक रुझानों, तकनीकी नवाचारों या विशिष्ट जनसांख्यिकी को पूरा करती हैं, जो समय के साथ बदल भी सकती हैं।

**कालजयी फिल्मों के जरूरी तत्वः** अगर फिल्मों को कालजयी बनाने वाले तत्वों की बात की जाए, तो उनमें कलात्मक गुणवत्ता बेहद जरूरी है। कई व्यावसायिक फिल्में तकनीकी या कलात्मक गहराई की कमी दिखाती हैं। प्रासंगिकता के नजरिए से कहा जाए, तो कालजयी फिल्में सार्वभौमिक विषयों जैसे प्यार, न्याय या मानवीयता की नैतिक दुविधाओं को उजागर करती हैं, जो किसी भी समय में दर्शकों के साथ जुड़ जाती हैं। ऐसी फिल्में जो समाज में गहराई से जुड़ती हैं, महत्वपूर्ण सामाजिक बदलावों को प्रेरित करती हैं या मानवीय अनुभव की नई व्याख्या प्रस्तुत करती हैं। ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों कमाए, लेकिन कुछ सालों बाद उन्हें भुला दिया गया है, क्योंकि वे किसी विशेष समय की उपज थीं। दूसरी और ऐसी फिल्में भी हैं, जिन्होंने रिलीज के समय बड़ी कमाई नहीं की, लेकिन अपनी कलात्मक गुणवत्ता, कहानी और स्थायी विषयों वाले कथानक की वजह से आज भी याद की जाती हैं और देखी जाती हैं।

कॉमर्शियली फ्लॉप पर क्लासिक 'मेरा नाम जोकर'

**कुछ कालजयी हिंदी फिल्मेंः** बॉलीवुड की कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो अपने रिलीज के दशकों बाद भी अपना एक अलग मुकाम रखती हैं। इन फिल्मों को हर दौर में हर पीढ़ी के दर्शकों का प्यार मिला। 'कागज के फूल', 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम', 'बॉबी', 'शोले', 'दीवार', 'उमराव जान' जैसी फिल्मों को आज भी दर्शक याद करते हैं। इन फिल्मों की गिनती बॉलीवुड के क्लासिक कल्ट के रूप में होती है। खास बात यह है कि इन फिल्मों ने व्यावसायिक रूप से भी सफलता के झंडे गाड़े थे।

कई फिल्में अपने समय में व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं, लेकिन बाद में उन्हीं फिल्मों को बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक का दर्जा मिला। उदाहरण के तौर पे 'मेरा नाम जोकर' और 'सिलसिला' जैसी फिल्मों को देखा जा सकता है।

ये वे फिल्में हैं, जो सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि मानवीय भावनाओं, सामाजिक मुद्दों और मानवीय रिश्तों की गहरी समझ को भी प्रस्तुत करती हैं, जिससे वे हमेशा के लिए कालातीत बन जाती हैं। *